mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-1 अंक-9 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

10 जुलाई 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना और मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

एशियाई चैंपियनशिप ...

@ पेज 7

पुरी जगन्नाथ मंदिर में चार युवकों के अनधिकृत रूप से हुये दाखिल

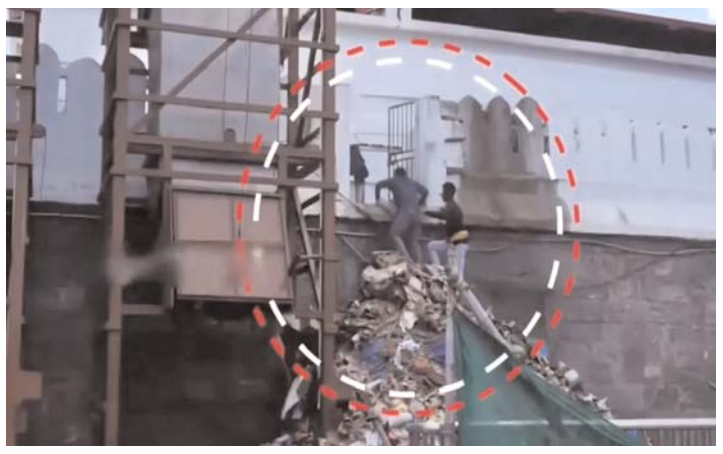

पुरी (एजेंसी)। पुरी जगन्नाथ मंदिर में चार युवकों के अनधिकृत रूप से दाखिल होने की खबर से एक बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (स्छ्ज्ञ) ने 12वीं सदी के विश्व प्रसिद्ध मंदिर की सुरक्षा में सेंध लगाकर चार लोगों द्वारा बाहरी दीवार फांदकर

● पुरी के जगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा में बड़ी चूक

भीतर जाने की कोशिश करने के मामले में जांच के लिए बुधवार को समिति गठित की। पुरी जिला कलेक्टर चंचल राणा ने बताया कि एसजेटीए के मुख्य प्रशासक ने मामले की जांच के लिए प्रशासक (सुरक्षा) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। यह फैसला सोशल मीडिया पर चार लोगों द्वारा 'मेघनाद पचेरी'

(बाहरी चारदीवारी) के पास कूड़े के ढेर पर चढ़ने का वीडियो वायरल होने के बाद किया गया। राणा ने स्वीकार किया कि ''सुरक्षा में चूक हुई है।'' उन्होंने कहा कि समिति सुरक्षा में चूक की जांच करेगी। कलेक्टर ने कहा, ''सुरक्षा में सेंध लगाकर दीवार फांदने वालों की पहचान की जा रही है और इस घटना में जवाबदेही तय की जाएगी। इसके बाद कार्रवाई भी की जाएगी।'' राणा ने कहा कि जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी तथा ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान की जाएगी।

घटना मंगलवार की है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब श्रीमंदिर में चार एंट्री द्वार हैं, तो ये युवक दीवार कूद कर श्रीमंदिर में क्यों घुसे?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि 4 अज्ञात लोगों ने दीवार के पास जमा कूड़े के एक बड़े ढेर को सहारा बनाकर बाहरी दीवार फांदकर मंदिर में अनधिकृत प्रवेश किया। यह घटना मंगलवार को हुई, जबकि वार्षिक रथ यात्रा और नीलाद्रि बिजे अनुष्ठान के दौरान और उसके बाद व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। एक सेवादार बिश्वनाथ खुंटिया ने बताया कि उन्होंने कई लोगों को कूड़े के ढेर पर चढ़कर मंदिर परिसर में दाखिल होते देखा है। खुंटिया ने बताया, '' मंदिरों में अनधिकृत रूप से दाखिल होने वालों की संख्या चार नहीं, सैकड़ों होगी।''

श्रद्धालुओं ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की और 12वीं शताब्दी के इस मंदिर की सुरक्षा के लिए,ढ्ढ-लैस कैमरों की उपयोगिता पर सवाल उठाए। एक अधिकारी ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने ओडिशा पुलिस को पुरी मंदिर के आतंकवादियों के निशाने पर होने की चेतावनी दी है। मंदिर प्रबंध समिति के पूर्व सदस्य और प्रसिद्ध रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने कहा, ''यह हतप्रभ करने वाला है कि रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद, किसी ने उन्हें दीवार फांदकर परिसर में दाखिल होते नहीं देखा। यह सुरक्षा एजेंसियों की ओर से स्पष्ट चूक का मामला है।''

संक्षिप्त समाचार

नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ के कारण मच गई तबाही

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के रसुवा जिले में मानसून की बारिश के कारण एक नदी में बाढ़ आ जाने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई तथा 19 अन्य लापता हो गए। साथ ही बाढ़ के कारण देश को चीन से जोड़ने वाला ''फ्रेंडशिप ब्रिज'' बह गया है। चीन में सोमवार रात को मूसलाधार मानसूनी बरसात के कारण नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई थी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के महानिदेशक दिनेश भट्ट ने संवाददाताओं से कहा, ÷अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है, एक व्यक्ति घायल हुआ है, 19 लोग लापता हैं और 57 लोगों को बचा लिया

गया है। नेपाल सरकार ने बाढ़ में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। लापता लोगों में चीन के छह नागरिक और तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं। भट्ट ने बताया कि काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में रसुवा जिले के कुछ हिस्सों में मंगलवार को आई अचानक बाढ़ ने मितेरी पुल, रसुवागढ़ी जलविद्युत संयंत्र और नेपाल-चीन सीमा के पास स्थित 'ड्राई पोर्ट' के कुछ हिस्सों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार तड़के करीब सवा तीन बजे आई बाढ़ में मितेरी पुल बह गया। नदी में आई बाढ़ में 23 मालवाहक कंटेनर, छह मालवाहक ट्रक और 35 इलेक्ट्रिक वाहन भी बह गए। बाढ़ ने जिले की चार जलविद्युत परियोजनाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड को कम से कम 211 मेगावाट बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

सुरक्षित नहीं ट्रंप, घर में हो सकता है अटैक

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच हुई जंग में अमेरिका ने खुलकर इजरायल का साथ दिया था। इजरायल के साथ-साथ अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु संयंत्रों पर बमबारी की थी। अमेरिका

की ओर से किए गए हमलों के बाद ईरान बौखलाया हुआ है। अब ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुली धमकी दे डाली है। ईरानी अधिकारी ने चेतावनी दी है कि डोनाल्ड ट्रंप अब अपने फ्लोरिडा वाले घर, मार-ए-लागो में सुरक्षित नहीं हैं। अधिकारी ने धमकी भरे लहजे में कहा कि उन्हें (ट्रंप को) धूप सेंकते समय भी निशाना बनाया जा सकता है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी सलाहकार और एक बड़े राजनीतिक शख्स जावेद लारीजानी ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में कहा कि ट्रंप के कार्यों ने उन्हें निशाने पर ला दिया है। इंटरव्यू के दौरान ईरानी अधिकारी जावेद लारिजानी ने कहा, ÷ट्रंप ने कुछ ऐसा कर दिया है कि अब वो अपने आवास में धूप भी नहीं सेंक सकते हैं। जब वो पेट के बल धूप में लेटे होंगे, तो कोई छोटा ड्रोन उनकी नाभि पर आ कर लग सकता है। यह बहुत आसान है।÷ उन्होंने कहा कि धूप में लेटे अमेरिकी राष्ट्रपति पर एक छोटे ड्रोन का हमला करना आसान होगा। गौर करने वाली बात यह है कि, लारिजानी का यह बयान एक क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म के लॉन्च होने के बाद आया है, जिसमें ट्रंप पर इनाम की घोषणा की गई है। ब्लड पैक्ट या फारसी में अहदे खून नाम के इस प्लेटफॉर्म को ÷सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का मजाक उड़ाने और उन्हें धमकी देने वालों के खिलाफ प्रतिशोध÷ के लिए बनाया गया था।

पार्टी मनाने गया युवक दोस्तों के सामने डैम में डूबा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कलियासोत डैम में दोस्तों के साथ पार्टी करने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। डैम में नहाने के दौरान युवक पानी में डबू गया। इस हृदय विदारक घटना का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है। युवक की पहचान 22 वर्षीय वेंकटेश विशाल नायडू के रूप में हुई है। दोस्तों ने विशाल के डूबने का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड किया था। जानकारी के अनुसार, विशाल नायडू अपने दोस्तों के साथ कलियासोत डैम पर पिकनिक मनाने और पार्टी करने गया था। नहाने के दौरान यह हादसा हुआ। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विशाल, जो तैरना जानता था, शुरुआत में आसानी से तैर रहा था। हालांकि, वापस आते समय उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी। वीडियो में उसके दोस्त को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ÷ध्यान रख उनका, उनकी सांस फूल रही है।÷ देखते ही देखते विशाल पानी में डूब गया। विशाल को डूबता देख घबराए दोस्तों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद विशाल के शव को डैम से बाहर निकाला।

वॉशरूम में खून के धब्बे देख स्कूल ने छात्राओं से की गंदी हरकत

पीरियड्स चेक के नाम पर जबरन उतरवाए कपड़े

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर स्थित आरएस दमानी स्कूल में बच्चियों के साथ जो कुछ हुआ है, उसे सुनकर आपका सिर शर्म से झुक जाएगा। इस घटना के बाद छात्राएं सदमे में हैं। उनके नाराज पेरेंट्स ने प्रिंसिपल को गिरफ्तार करने की मांग कर डाली है। यह घटना मंगलवार को ठाणे के शाहपुर जिले के आरएस दमानी स्कूल में हुई। यहां कक्षा 5 से 10 तक की छात्राओं को शिक्षकों द्वारा जबरन कपड़े उतरवाकर जांच की गई, क्योंकि स्कूल के बाथरूम में खून के निशान पाए गए थे। स्कूल प्रशासन को इस बात का शक था कि कहीं फर्श माहवारी या पीरियड्स की वजह से गंदा तो नहीं हो गया। छात्राओं से उनके पीरियड के बारे में पूछा गया। सूत्रों के अनुसार, कुछ छात्राओं को अपनी अंडरवियर तक उतारने को मजबूर किया गया ताकि यह जांचा जा सके कि खून किसकी वजह से था।

पेरेंट्स का आरोप है कि मासिक धर्म के संदेह में कुछ छात्राओं के अंडरगारमेंट्स तक उतरवाकर उनकी जांच की गई। छात्राओं की

उम्र करीब 14 से 15 साल है। यह घटना छात्राओं के लिए मानसिक आघात बन गई। एक अभिभावक ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, ÷छात्राओं को मासिक धर्म की प्राकृतिक प्रक्रिया के बारे में उचित शिक्षा देने के बजाय, प्रिंसिपल ने उन पर मानसिक दबाव डाला। यह एक शर्मनाक और घृणित कृत्य है।

यह मामला सामने आने के बाद स्कूल प्रबंधन के खिलाफ पेरेंट्स में भारी गुस्सा है। पुलिस ने प्रिंसिपल, दो ट्रस्टियों, चार शिक्षकों और एक सफाई कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां ने ही ली थी दुधमुंहे बच्चे की जान,

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के मनगवां थाना क्षेत्र से दिल को झकझोर देने वाली एक घिनौनी वरदात सामने आई है। यहां ढाई महीने के एक बच्चे की रहस्यमई मौत के मामले में ढाई साल बाद उसके कातिल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मासूम बच्चे की कातिल कोई और नहीं बल्कि उसकी बेरहम मां है। आरोप है कि ढाई साल पहले रात में सो रहा बच्चा अचानक से जाग गया और रोने लगा। मां ने बच्चे को दूध पिलाया इसके बाद भी जब बच्चा शांत नहीं हुआ तो बेरहम मां ने अपने हाथों से उसका मुंह दबाकर दम घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद जुर्म से बचने के लिए कातिल मां ने मनगढंत कहानी रच कर ढाई साल तक परिजनों को गुमराह किया। दरअसल, मासूम बेटे के खूनी खेल का यह मामला मनगवां थाना क्षेत्र की है। 6 जनवरी 2023 की रात ढाई महीने का मासूम धैर्य गुप्ता अपनी मां प्रिया गुप्ता के साथ घर में सो रहा था। इसी दौरान रात तकरीबन 3 बजे बच्चा जाग गया और रोने लगा। मां ने बच्चे को दूध पिलाया लेकिन वह शांत नहीं हुआ। बच्चे को चुप करा रही मां गुस्से से तमतमा गई और उसने अपने हाथों से अपने बच्चे का मुंह तब तक दबाए रखा जब तक उसका दम नहीं घुट गया। कुछ देर बाद जब बच्चे की दम घुटने से मौत हो गई, इसके बाद जुर्म से बचने के लिए उसने परिजनों को एक अलग ही कहानी बयां की।

सड़क निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे थे इंजीनियर, ट्रक समेत धंस गई सड़क

जान बचाकर भागे लोग

बीड (एजेंसी)। इंजीनियर साहब अपने पूरे दस्ते के साथ सड़क की मरम्मत का जायजा लेने पहुंचे थे लेकिन इसी बीच कुछ ऐसा हुआ कि उनके पूरे अमले को जान बचाकर भागना पड़ा। जी हां, यह घटना है बीड के वडवणी तालुका के पास की जहां खडकी गांव में सड़क के नवीनीकरण का काम हो रहा है। अचानक सड़क से गुजर रहा ट्रक सड़क धंसने के साथ पलट गया। इसके बाद वहां भगदड़ मच गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, बीड जिले के वडवणी तालुका के खडकी गांव में सड़क निर्माण का काम चल रहा है। इसी निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे इंजीनियर और उनके अमले के सामने ही एक ट्रक नीचे गिर गया। इस दुर्घटना में इंजीनियर समेत निरीक्षण करने वाले लोग बाल-बाल बच गए। इस सड़क को लेकर कुछ दिन पहले छात्रों ने सीधे मुख्यमंत्री ग्राम सड़क विभाग के कार्यालय जाकर यह मांग की थी कि पुल के काम के चलते उन्हें आने-जाने में दिक्कत हो रही है इसलिए उन्हें वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराया जाए। छात्रों की इस मांग के बाद इंजीनियर अपने दस्ते के साथ सड़क मरम्मत वाली जगह का जायजा लेने पहुंचे। अचानक सड़क में धंस कर पलट गया ट्रक

इसके बाद आज जब इंजीनियर अपने दस्ते के साथ

मौके पर निरीक्षण करने पहुंचे। पूरा दस्ता अभी मौके पर निरीक्षण कर रही रहा था उसी समय एक ट्रक वहां से गुजरने लगा। निरीक्षण स्थल पर पुलिया का भी निर्माण हो रहा था। इसी बीच ट्रक जैसे ही उस जगह पर पहुंचा जहां इंजीनियर अपने दस्ते के साथ निरीक्षण कर रहे थे, अचानक सड़क के साथ नीचे धंसने लगा। देखते ही देखते यह ट्रक सड़क के साथ नीचे धंसने के साथ ही पलट गया।

ट्रक को सड़क के साथ धंसते देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई और वहां मौजूद इंजीनियर और अन्य कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। कुछ लोग तो बगल के पानी भरे गड्ढे में कूद पड़े।

फिल्म उदयपुर फाइल्स पर प्रतिबंध की मांग

मौलाना महमूद असद मदनी के निर्देश पर मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब इस पर बैन लगाने की मांग को लेकर मद्रास हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के निर्देश और दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मौलाना अबुल कासिम नोमानी की सलाह पर, जमीअत उलमा तमिलनाडु ने इस फिल्म के रिलीज पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर यह याचिका दाखिल की है। इस याचिका का क्रमांक 105184/2025 है।

याचिकाकर्ता को ओर से अदालत से अनुरोध किया गया है कि वह राज्य सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को निर्देश दे कि फिल्म की रिलीज को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और इसकी विषयवस्तु की कानूनी दायरे के भीतर पुनः समीक्षा कर आवश्यक संशोधन किए जाएं। याचिकाकर्ता ने आशंका जताई है कि फिल्म की विषयवस्तु अत्यधिक भड़काऊ और घृणास्पद है, जो देश में सांप्रदायिक सद्भाव

को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। ट्रेलर और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फिल्म में एक संवेदनशील सांप्रदायिक घटना को सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत किया गया है और मुसलमानों को एक कट्टरपंथी, निर्दयी और आतंकवाद से जुड़े समुदाय के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि इसका सबसे दुखद पहलू यह है कि फिल्म के ट्रेलर में दारुल उलूम देवबंद जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्थान को निशाना बनाया गया है। ÷सर तन से जुदा÷ के नारे को सीधे देवबंद से जोड़ते हुए, एक ऐसे व्यक्ति का चित्रण किया गया है जो दारुल उलूम के एक प्रमुख जिम्मेदार से मिलता-जुलता है, जो केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि मुस्लिम समुदाय के एक शैक्षणिक और आध्यात्मिक केंद्र पर गंभीर हमला है। फिल्म का सबसे आपत्तिजनक पहलू यह है कि भाजपा की एक पूर्व प्रवक्ता द्वारा पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की शान में उस आपत्तिजनक बयान को शामिल किया गया है, जिस पर वैश्विक पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया।

यूपी के सीएम योगी का हंसता मुस्कुराता चेहरा देखा क्या?

सेल्फी लेते हुए दिया पोज

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने %एक पेड़ मां के नाम% पहल के तहत पौधे लगाए और गोरखपुर में %वृक्षारोपण महाभियान-2025% कार्यक्रम में अधिकारियों और भाजपा सांसद रवि किशन के साथ सेल्फी भी ली। सीएम योगी ने सेल्फी लेने के दौरान एक से बढ़कर एक पोज दिए। इस दौरान वे काफी खुश नजर आ रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में %वृक्षारोपण महाभियान-2025% कार्यक्रम में %एक पेड़ मां के नाम% पहल के तहत पौधे लगाए।

सीएम योगी ने कहा कि वृक्षारोपण सिर्फ पर्यावरणीय दायित्व नहीं बल्कि भविष्य को सुरक्षित करने का एक अभियान है। उन्होंने बताया कि 2025 के महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए इस बार प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा

गया है, जिनमें से बड़ी संख्या में पौधे एक ही दिन में लगाए जा रहे हैं। योगी ने कहा आज उत्तर प्रदेश के नाम से एक नई चमक मिलती है। कभी प्रदेश को अपराध, अराजकता और जंगलराज के नाम से जाना जाता था, लेकिन आज पर्यावरण, कानून-व्यवस्था और विकास के मॉडल के रूप में जाना जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के नौजवानों को अब पहचान के संकट से नहीं जूझना पड़ता। पहले यूपी के युवाओं को उनके राज्य के नाम पर उपेक्षित किया जाता था, लेकिन अब वे गर्व से कहते हैं कि वे उत्तर प्रदेश से हैं।÷ सीएम ने कहा कि पहले राज्य में जंगलों की कटाई खुलेआम होती थी और प्रदेश में वन माफियाओं का बोलबाला था। ये माफिया गरीबों की जमीनें कब्जाते थे, जंगल काटते थे। हमने इन पर नकेल कसी और वन क्षेत्र को तेजी से बढ़ाया है। ये काम जारी रहेगा।

सीएम ने कहा कि हमने न सिर्फ गांवों को सड़कों से जोड़ा, बल्कि शहरों को आधुनिक बनाया। आज प्रदेश के नगर निकायों में लाखों एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं, जिससे बिजली की बचत हो रही है और शहर रोशन हो रहे हैं।

इंदौर में 48 घंटों के भीतर 3 महिलाओं की कोरोना से मौत

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई तीन महिलाओं की रविवार और सोमवार के बीच 48 घंटों के भीतर मौत हो गई। उन्हें पहले से ही अन्य बीमारियां भी थीं। इसके बाद स्थानीय स्वास्थ्य विभाग पहले से और ज्यादा अलर्ट हो गया। स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूत्रह्र) डॉक्टर माधव प्रसाद हासानी ने कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद 64 वर्षीय महिला और 55 वर्षीय महिला ने छह जुलाई (रविवार) को दम तोड़ा, जबकि 50 वर्षीय महिला की मौत सात जुलाई (सोमवार) को हुई। उन्होंने कहा, %तीनों महिलाएं अलग-अलग बीमारियों से पहले ही जूझ रही थीं,

जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता घट चुकी थी। इनमें रक्त कैंसर, टीबी, मधुमेह और थायरॉयड जैसी बीमारियां शामिल हैं। सीएमएचओ ने कहा कि कोविड-19 को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस महामारी के इक्का-दुक्का मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा, %फिलहाल जिले में कोरोना के केवल सात मरीज उपचाराधीन हैं। मंगलवार को हमें इस महामारी का एक भी मरीज नहीं मिला।%

5163 करोड़ की लागत से होगा विद्युत ट्रांसमिशन सिस्टम का सुदृढ़ीकरण-ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्ता पूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत ट्रांसमिशन सिस्टम का सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। इसके लिए वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक की कार्य योजना बनायी गयी है। इस योजना के क्रियान्वयन पर 5 हजार 163 करोड़ रूपये का व्यय अनुमानित है। ट्रांसमिशन सिस्टम के सुदृढ़ीकरण के लिए निर्माण कार्यों और संरचनाओं के उन्नयन पर 1154 करोड़, सिंहस्थ-2028 के लिए जरूरी कार्यों के लिए 185 करोड़, नवीन अति उच्चदाव उप केन्द्रों के निर्माण पर 1015 करोड़, मुरैना संभागीय मुख्यालय एवं ग्वालियर शहर के उत्तरी भाग को अनवरत विद्युत आपूर्ति के लिए नवीन अति उच्चदाब लाइनों के निर्माण पर 54 करोड़, प्रदेश में विद्यमान अति उच्चदाव ट्रांसफार्मरों की क्षमता संवर्धन पर 1280 करोड़, आरडीएसएस योजना में वितरण कंपनियों के लिए 184 नग नवीन 33 के.व्ही. में निर्माण पर 81 करोड़, डबल पोल, फोर पोल लाइन को टॉवर लाइन में रूपांतरण पर 662 करोड़ अति उच्चदब टेप लाइनों के स्थान पर लाइनों का लूप-इन, लूप-आउट किया जाना एवं एकल स्त्रोत से प्रदायित उप केन्द्रों के लिए नई लाइनों के निर्माण पर 451 करोड़ और स्काडा प्रणाली के प्रतिस्थापन सहित अन्य कार्यों पर 281 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

भोपाल एम्स में 2500 कर्मियों को जन सेवा का प्रशिक्षण

भोपाल। देश के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में से एक एम्स भोपाल अब केवल चिकित्सा उपचार और अनुसंधान तक सीमित नहीं, बल्कि जन सेवा और उत्तरदायित्व की भावना को भी संस्थागत रूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। संस्थान में राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के तहत 2500 स्टाफ सदस्यों को जन सेवा आधारित कार्य संस्कृति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का दूसरा और तीसरा चरण 7 जुलाई से 4 सितंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में सिटिजन फर्स्ट सोच को विकसित करना और सेवा भावना को मजबूती देना है। यह कार्यक्रम पारंपरिक ट्रेनिंग से अलग है। यहां कोई ट्रेनर नहीं होता, बल्कि फेसिलिटेटर होते हैं। फेसिलिटेटर कर्मचारियों को यह नहीं सिखाते कि क्या करना है, बल्कि उन्हें अपने भीतर छिपी सेवा भावना को पहचानने और जगाने में मार्गदर्शन देते हैं। इस चरण में 26 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 52 प्रशिक्षित फेसिलिटेटर हैं। ये टीमें मिलकर 75 से अधिक सत्रों का संचालन करेंगी। कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण यात्रा पारंपरिक ज्ञान प्रदान करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि हर कर्मचारी को 'सेवा' के मूल भाव से जोड़ने की कोशिश है। जब हर व्यक्ति अपने काम को जन सेवा समझकर करेगा, तो हमारी प्रणाली सच में नागरिक-केंद्रित बन सकेगी।

रायसेन में सड़क पर खड़ी कार-एक्टिवा बही

भोपाल। मध्यप्रदेश में लगातार तेज बारिश का दौर जारी है। नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया समेत कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को 7 जिलों में बाढ़ का खतरा है। मौसम विभाग ने अति भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते टीकमगढ़ का सुजारा डैम, दमोह में सतधरू, साजली बांध, सिवनी के भीमगढ़ डैम और सारणी के सतपुड़ा डैम के गेट खोलने पड़े। वहीं, नरसिंहपुर में कौड़ियां नदी में बाढ़ आ गई। घरों में पानी घुस गया।

वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 वैश्विक संवाद और आतिथ्य का अभूतपूर्व अवसर : राज्यपाल

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का भोपाल में आयोजन, भारत के लिए ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण है। यह आयोजन विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती साख का प्रतिफल है। भारत को विश्वगुरू के रूप में स्थापित करने की ओर बढ़ा कदम है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 21वें वर्ल्ड रोज कन्वेंशन- 2028 संबंधी बैठक को संबोधित कर रहे थें। इस अवसर पर उन्होंने मध्यप्रदेश रोज सोसायटी के मुख्य संरक्षक के रूप में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी द्वारा भारत को 2028 के आयोजन की मेजबानी के लिए मई 2025 में सौंपे गए ध्वज को ग्रहण किया। कन्वेंशन का आयोजन भोपाल में वर्ष 2028 में 7 से 13 जनवरी तक होगा। बैठक का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में इण्डियन रोज फेडरेशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश रोज सोसायटी द्वारा किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के ध्वज को ग्रहण करना देश और प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का पल है। यह ध्वज 2028 के ऐतिहासिक आयोजन के गौरवपूर्ण कार्यक्रम की जिम्मेदारी, वैश्विक संवाद और आतिथ्य के अभूतपूर्व अवसर का प्रतीक है।

राज्यपाल श्री पटेल ने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी द्वारा भारत को पहली बार आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार ज्ञापित किया। उन्होंने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने पर श्री सुशील प्रकाश को सम्मानित किया। इण्डियन रोज फेडरेशन और मध्यप्रदेश रोज सोसायटी को आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का मध्यप्रदेश के भोपाल में आयोजन, प्रदेश को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाएगा। आयोजन की मेजबानी सम्पूर्ण मध्यप्रदेश और भोपाल शहर के लिए हर्ष और गर्व का विषय है। आयोजन के लिए रोज सोसायटी द्वारा भोपाल को रोज सिटी के रुप में विकसित करने की जानकारी पर राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन में गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के वर्तमान उत्पादन को दोगुना करने की पहल करने के लिए कहा है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुलाब धार्मिकता और पर्वित्रता का प्रतीक है। यह आत्मीयता और सहृदयता की पहचान है। उन्होंने कहा कि हम सभी आयोजन से जुड़े प्रत्येक कार्य और जिम्मेदारियों को भव्यता और दिव्यता के साथ सम्पन्न करने का संकल्प ले ताकि यह आयोजन दुनियां भर के प्रतिनिधियों के मन में प्रेरणादायी और यादगार अनुभव के रूप में अंकित हो। राज्यपाल श्री पटेल ने मध्यप्रदेश और भोपाल के गुलाब प्रेमियों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपील भी की। बैठक में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का आयोजन मध्यप्रदेश टूरिज्म को बढ़ाने में भी मददगार होगा।

शराब दुकानों के बाहर अतिक्रमण...7 जगह कार्रवाई

भोपाल। **(एजेंसी)।** भोपाल की शराब दुकानों के आसपास के अतिक्रमण को लेकर मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की गई। 7 दुकानों के बाहर नगर निगम की टीमें पहुंची और ठेले, काउंटर-गुमटी जब्त की। यहीं पर दिनभर लोग बैठकर शराब भी पीते थे।

इस कारण राहगीरों को परेशानी हो रही थी। अतिक्रमण अधिकारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया के नेतृत्व में निगम टीमों ने यह कार्रवाई की। न्यू मार्केट स्थित जीटीबी कॉम्प्लेक्स, टीटी नगर स्टेडियम, पंचशील नगर और चूना भट्?टी की शराब दुकानों के बाहर से ठेले, काउंटर, टेबल, स्टैंड, पानी पाउच, डिस्पोजेबल आदि सामान जब्त किया। स्टेट बैंक चौराहा ब्रिज के नीचे वाइन शॉप पर कार्रवाई करते हुए चार बोरी

पानी के पाउच, डिस्पोजल और टेबल-कुर्सी जब्त किए। रायसेन रोड स्थित इंद्रपुरी वाइन शॉप के बाहर से ठेला, एक पान पार्लर एवं 7 टेबलें जब्त की गई। कोलार रोड स्थित सर्वधर्म शराब दुकान पर भी कार्रवाई हुई। अशोका गार्डन, एकतापुरी के नाले के पास अवैध रूप से पक्के निर्माण के लिए बनाया जा रहा फाउंडेशन भी निगम ने तोड़ दिया। जेसीबी की मदद से निर्माण तोड़ने की कार्रवाई हुई। न्यू मार्केट क्षेत्र के आउटर सर्कल में अतिक्रमण निरोधक कार्रवाई की गई। टीटी नगर थाने से रंगमहल और रौशनपुरा चौराहे तक सड़क किनारे लगे सभी हॉकर्स एवं ठेले हटवाए गए। इस दौरान सामान भी जब्त किया गया।

समय सीमा में पूरा करें निर्माणाधीन और स्वीकृत मार्गः राज्यमंत्री गौर

भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि सड़कों के निर्माण को तय समय सीमा में पूरा करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर मंगलवार को मंत्रालय में गोविंदपुरा क्षेत्र के सड़कों के निर्माण प्रगति की समीक्षा कर रही थी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की नई बन रही सड़कों के निर्माण के साथ ही बिजली पोल लगाने का कार्य भी करें, क्योंकि सड़क तो बन जाती है, लेकिन मार्ग पर अंधेरा रहने से जनता को परेशानी होती है। अधिकारियों ने बताया कि जे के रोड का निर्माण कार्य जल्दी पूरा हो जाएगा। सेंट्रल ब्रिज व रेलिंग का कार्य 31

जुलाई तक पूरा हो जाएगा। जेके रोड पर चल रहे निर्माण कार्य में कवर्ड नाली में बड़े-बड़े पत्थर पड़े होने पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नाराजगी व्यक्ति की। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नाली सफाई और सड़क पर से मिट्टी और मलवा को हटाने के निर्देश दिए। बिजली के पोल का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने शटडाउन का टाइम बढ़ाकर कार्य को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। आनंद नगर फ्लाईओवर के कार्य में देरी पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाईओवर का कार्य अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा।

नागरिकों का विदेश जाने का सपना होगा पूरा-मंत्री सारंग

भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नये पासपोर्ट कार्यालय भवन बनने से नागरिकों को सुविधा मिलेगी। वहीं आसान और सरल तरीके से नागरिकों को पासपोर्ट उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई तकनीकियों के साथ पारदर्शिता पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं यह उसी का उदाहरण है। मंत्री श्री सारंग अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कार्यालय भवन में पूरी क्षमता के साथ हर एक टेक्नॉजोजी को आत्मसात किया है। मध्यप्रदेश और देश के हर एक नागरिक को इस

कार्यालय की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कार्यालय भवन की अवधारणा को सराहा। भवन में हर सुविधा का ध्यान रखते हुए निर्माण किया गया है, जो लोगों को कम समय में अधिक लाभ प्रदान करेंगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि कार्यालय भवन में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं इससे आसानी से समय पर लोगों को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सुगम और सुलभ लाभ देने के लिये कर्मचारियों में विनम्रता भी आवश्यक है। मुख्य पासपोर्ट अधिकारी डॉ. के.जे. श्रीनिवास ने बताया है कि हर संसदीय क्षेत्र तक पासपोर्ट सेवाएं पहुंचाने के लिये विदेश मंत्रालय प्रतिबद्ध है। भारत में 450 पासपोर्ट सेवा केन्द्र स्थापित हो चुके हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में मध्यप्रदेश में शहडोल, मंदसौर, खंडवा, गुना, खरगोन एवं भिण्ड जिले में पासपोर्ट सुविधा केन्द्र खोले गये है। जल्द ही मंडला में भी सुविधा केन्द्र खोला जायेगा। शुरूआत में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर और फीता काटकर नये भवन का लोकार्पण किया। कार्यालय भवन में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण के बाद आवेदको की सुविधाओं के दृष्टिगत प्रकाशित कॉमिक बुक क्षितिज का विमोचन भी किया। श्रेष्ठ कार्य करने वालो का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान भी किया।

नये पासपोर्ट कार्यालय भवन में आधुनिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

प्राईवेट स्कूलों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग हो : स्कूल शिक्षा मंत्री

भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल से संबद्ध प्राईवेट स्कूलों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिये विश्वसनीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप आधुनिक कृषि के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में छात्रों को कृषि संकाय को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। उन स्कूलों में, जिनके पास दो एकड़ से अधिक भूमि है, वहां

प्राथमिकता के साथ कृषि संकाय शुरू किये जा सकते है। स्कूल शिक्षा मंत्री मंगलवार को मंत्रालय में नई शिक्षा नीति 2020 की टास्क फोर्स समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षकों की आकस्मिक मृत्यु पर परिजन को नौकरी देने की व्यवस्था में सुधार के लिए उपयुक्त सुझाव देने के लिए कहा। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को पढ़ाई की तैयारी करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता है। यह काम पायलट प्रॉजेक्ट के तौर पर अलीराजपुर, बालाघाट, नरसिंहपुर और उज्जैन जिले में शुरू किये जाएं। प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं के पढ़ाने से बच्चे सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा के पूर्व कक्षाओं में पढ़ाई के लिये तैयार होकर जाएंगे। उन्होंने राज्य शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र (एससीईआरटी) को मजबूत किये जाने के लिए संचालक की अध्यक्षता में कमेटी गठन करने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के मूल्याकंन के लिए शिक्षाविदो के साथ आगामी 29 जुलाई को बैठक भी की जाए।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचायें

भोपाल (एजेंसी)। आकाशीय बिजली यानि वज्रपात से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आम-जन इन निर्देशों को अपनाकर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली या वज्रपात से आउटडोर यथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है और यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती हैं। दोपहर

और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं। जारी निर्देश में कहा गया है कि ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रैक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातु युक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद भोपाल के पालिका भवन स्थित संचालनालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर निर्वतमान अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला भी उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर 11 जुलाई को होने वाले एमपी ग्रोथ कॉन्क्लेव की तैयारियों की जानकारी ली। प्रदेश के शहरी क्षेत्र के विकास में यह कॉन्क्लेव बहुत महत्वपूर्ण है। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निर्देश दिए कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग से संबंधित कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। योजनाओं में प्रगति लाने के लिये प्रत्येक सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्लिश, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के लिये मंच क्लिज प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीयन पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे। इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी।

सीएम हेल्पलाइन के आवेदन पत्रों का तत्परता से करें निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर स्वयं ध्यान देकर इनका संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें। राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, खाद्य विभाग, गृह विभाग, पीएचई, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करके विभागीय रैंकिंग में सुधार करें। सभी अधिकारी टीएल पत्रों का समय सीमा में प्रतिवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी जिलाधिकारी अब ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइलें कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करें। अधीनस्थ कार्यालयों में भी ई ऑफिस व्यवस्था सात दिवस में लागू कर दें। जो विभाग ई ऑफिस में आनबोर्ड हो गए हैं वे फाइलों का परिचालन इसी माध्यम से करें। शेष कार्यालय जिला सूचना विज्ञान अधिकारी से संपर्क करके ई ऑफिस में ऑनबोर्ड कराएं। कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र हितग्राहियों के नाम राशन मित्र पोर्टल से पृथक करें साथ ही शेष हितग्राहियों का 15 जुलाई तक ई केवाईसी अपडेशन अनिवार्य रूप से करा दें। जिले में विभिन्न विभागों से स्वीकृत निर्माण कार्यों के भूमिपूजन तथा पूर्ण कार्यों के लोकार्पण के लिए इनकी सूची दो दिवस में उपलब्ध कराएं। मऊगंज जिले में जिन विभागों के कार्यालय मंजूर हो गए हैं उनके कार्यालय भवनों के निर्माण के लिए जमीन का आवंटन तत्काल कराएं। बैठक में कलेक्टर ने कृषि आदान, वर्षाजनित रोगों से बचाव और उपचार की व्यवस्था, पीएम किसान सम्मान निधि तथा जलप्रपातों में सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम मऊगंज बीके पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय तथा संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

हर पात्र व्यक्तियों के नाम ग्रामीण आवास की सर्वे सूची में शामिल करें: बैठक में कलेक्टर कुमार संजय जैन ने ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का नाम शामिल करने के लिए सर्वे किया जा रहा है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम सर्वे सूची में अनिवार्य रूप से शामिल करें। योजना से स्वीकृत शेष बचे आवासों का निर्माण कार्य दो माह में अनिवार्य रूप से पूरा करें। आवास निर्माण की राशि प्राप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू न करने वाले हितग्राहियों के विरूद्ध राशि वसूली की कार्यवाही करें। कार्यपालन यंत्री और उपयंत्री क्षेत्र का नियमित रूप से भ्रमण करके निर्माण कार्यों की प्रगति की मानीटरिंग करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आवास प्लस योजना से 12893 आवास मंजूर किए गए हैं। इनमें से केवल 649 पूरे हुए हैं। शेष हितग्राहियों को समय पर दूसरी और तीसरी किश्त जारी कराकर दो माह में आवासों का निर्माण पूरा कराएं। समग्र पोर्टल में अभी भी 26 हजार 361 हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेशन शेष है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर ई केवाईसी अपडेट कराएं। वनाधिकार अधिनियम के तहत 221 हितग्राहियों को पट्टे दिए गए हैं। इन्हें शासन की अन्य योजनाओं का भी पूरा लाभ दें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने मनरेगा योजना की प्रगति, एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण की तैयारियों तथा नलजल योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में परियोजना अधिकारी आवास, परियोजना अधिकारी मनरेगा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

परीक्षा केन्द्र को लेकर एपीएसयू प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र आदेश पर विवाद, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालरीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (एपीएसयू) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एक सप्ताह के भीतर दो बार परीक्षा केंद्र से संबंधित आदेश जारी किए गए हैं, जिससे छात्रों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। ताजा मामला 8 जुलाई 2025 को जारी एक आदेश से जुड़ा है, जिसमें केवल एक महाविद्यालय के लिए म्यूचुअल परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस आदेश ने विश्वविद्यालय की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।जारी आदेश के अनुसार, तराई अंचल में संचालित दो महाविद्यालयों–टीडी महाविद्यालय, चाकघाट और जीके मेमोरियल महाविद्यालय–को म्यूचुअल परीक्षा केंद्र बनाया गया है। सूत्रों का दावा है कि इस आदेश के पीछे परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश सोनी और रजिस्ट्रार डॉ. सुरेंद्र सिंह परिहार की अहम भूमिका है। आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने मिलकर परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को "मजाक" बना दिया है और अपनी मर्जी से सांठगांठ कर केंद्रों का चयन किया जा रहा है।विश्वविद्यालय के इस फैसले से न केवल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि यह विश्वविद्यालय की छवि को भी धूमिल कर रहा है। बार-बार बदलते आदेशों के कारण छात्रों में असमंजस की स्थिति है कि कौन सा आदेश मान्य है और कौन सा नहीं। छात्रों का कहना है कि इस तरह की अव्यवस्था उनकी पढ़ाई और परीक्षा की तैयारियों को प्रभावित कर रही है।विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासन से पारदर्शी और निष्पक्ष निर्णय की मांग कर रहे हैं। क्या विश्वविद्यालय प्रशासन इस विवाद का समाधान कर पाएगा, यह देखना बाकी है।

राजस्व कार्यों की समीक्षा 11 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद संभागीय बैठक में 11 जुलाई को राजस्व कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक दोपहर 12 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आरंभ होगी। बैठक में आरसीएमएस पोर्टल में राजस्व प्रकरणों के निराकरण, दो वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण, सीएम हेल्पलाइन, स्वामित्व योजना, फार्मर रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, राजस्व वसूली, धारणाधिकार तथा भूअर्जन के प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में बाढ़ से निपटने की तैयारियों, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, आबादी भूमि के चिन्हांकन तथा लैण्ड बैंक निर्माण की भी समीक्षा की जाएगी। बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा एसडीएम शामिल होंगे।

स्वास्थ्य तथा महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद 16 जुलाई को कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक सुबह 11 बजे आरंभ होगी। संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्माण कार्यों की समीक्षा 14 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद 14 जुलाई को सुबह 11 बजे से संभागीय बैठक में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में अति वर्षा तथा बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त जनजातीय कार्य का प्रभार मालवीय को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग का प्रभार कमिश्नर कार्यालय के संयुक्त आयुक्त सुदेश कुमार मालवीय को देने के आदेश दिए हैं। आदेश के परिपालन में श्री मालवीय द्वारा 8 जुलाई को नवीन पद्भार ग्रहण कर लिया गया है।

गोपनीय प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी संभागीय अधिकारियों को वर्ष 2024-25 का वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि सभी अधिकारी शासन द्वारा निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित प्रक्रिया और समय सीमा का पालन करते हुए गोपनीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। अधीनस्थ जिला अधिकारियों को भी इस संबंध में निर्देशित करें। अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के गोपनीय प्रतिवेदन प्राप्त कर उनमें मतांकन के पश्चात अग्रिम कार्यवाही के लिए प्रेषित करें।

कमिश्नर बीएस जामोद ने की परियोजना कार्यों की समीक्षा

नगर निगम के विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूरे करें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने कहा कि सतना शहर को विकसित बनाने नगर निगम के चल रहे विकास परियोजनाओं के कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किये जाये। अवधि पूर्ण हो रहे कार्यों का वर्क प्लान बनाकर प्रतिदिन के टारगेट फिक्स करें और उन्हें शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। कमिश्नर रीवा श्री जामोद ने बुधवार को नगर निगम सतना के सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर नगर निगम के कार्यों और विकास योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, संयुक्त संचालक रीवा मयंक वर्मा, अधीक्षण यंत्री एसके सिंह, कार्यपालन यंत्री अरूण तिवारी, सिद्धार्थ सिंह, अंशुमान सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह सहित सहायक यंत्री और उपयंत्री उपस्थित थे।

अमृत वन प्रोजेक्ट के सीवर लाइन कार्य की समीक्षा में बताया गया कि नगर निगम के विभिन्न वार्डो में 51.5 किमी की सीवर लाइन कम्पलीट है। इसमें 1690 मेन होल तथा 5235 सर्विस चेम्बर बनाये गये हैं। लगभग 43.5 करोड की परियोजना में 18190 हाउस कनेक्शन किये जाने के विरूद्ध 8300 कनेक्शन हो चुके हैं। 9890 हाउस कनेक्शन होना शेष है। कमिश्नर ने कहा कि कार्य की अवधि पूर्ण हो रही है। शेष कनेक्शन करने के लिए लोगों में जागरूकता लाये और वर्क प्लान बनाकर प्रतिदिन कार्य पूर्णता के टारगेट लेकर कार्य पूर्ण कराये। कमिश्नर ने कहा कि बरसात के समय के दृष्टिगत कार्य स्थल पर सुरक्षा के प्रबंध रखे और रेस्टोरेशन कार्य पर विशेष ध्यान दे। बताया गया कि 12 वार्ड में 1 लाख 66 हजार मीटर कार्य का रेस्टोरेशन कम्पलीट कर लिया गया है।

सीवरेज स्कीम पैकेज 2 की जानकारी में बताया गया कि 119 करोड लागत की योजना में 296 किमी सीवर पाइपलाइन 13120 मेन होल, 12724 हाउस सर्विस चेम्बर के कार्य सहित 32975 हाउस कनेक्शन किये जाने है। अधीक्षण यंत्री एसके सिंह ने बताया कि तीन महीने की समय-सीमा में दोनों ही कार्य पूर्ण कर लिये जायेंगे। कमिश्नर ने कहा कि जिन वार्डों में काम पूरा हो चुका है। वहां लोगों को सीवर लाइन के लाभ बताये और जहां काम चल रहा है। वहां के लोगों को एक्सपोजर विजिट कराये, ताकि लोग सीवरलाइन कनेक्शन के लिए जागरूक हो।

अमृत 2 योजना में बताया गया कि 32 करोड 74 लाख रूपये लागत की जल प्रदाय योजना 48 लाख रूपये से वाटर वाडी अमौधा का उन्नयन कार्य, 222 लाख रूपये से रजहा तालाब वाटर रेजुबी नेशन और 1097 लाख रूपये से सीवरेज का कार्य किया जा रहा है। कमिश्नर ने कहा कि सभी कार्यों का एजेंसी से वर्क प्लान लेकर दिन-प्रतिदिन का सुपर वीजन कर कार्यों को पूर्ण कराये।

स्वच्छ भारत मिशन में बताया गया कि नगर निगम द्वारा सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान चलाया जा रहा है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण और निष्पादन का कार्य रेमकी कंपनी द्वारा किया जा रहा है। शहर में कचरा संग्रहण के लिए 54 वाहन संचालित है। प्रतिदिन शहर से 145 टन कचरा निकलता है। कमिश्नर ने कहा कि सूखे और गीले कचरे का संग्रहण और निष्पादन हो रहा है। इस बात की निगरानी करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में बताया गया कि बीएलसी घटक में स्वीकृत 4192 आवासों के विरूद्ध 4035 आवास निर्माण कर सतना नगर निगम प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2 में बीएलसी घटक में 2273 आवेदन आनलाइन मिले है। जिनकी पात्रता का सत्यापन किया जा रहा है। एएचपी घटक में 2763 आवेदन प्राप्त हुए है। नगर निगम सतना द्वारा 25-25 लाख रूपये की लागत से 9 संजीवनी क्लीनिक तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को हैण्ड ओव्हर किये गये हैं।

राजस्व वसूली की समीक्षा में बताया गया कि वर्ष 2024-25 में मांग 57 करोड 7 लाख 71 हजार की मांग के विरूद्ध इस अवधि में 2 करोड 35 लाख की वसूली हुई थी। इस वर्ष 2025-26 में 62 करोड 24 लाख की मांग के विरूद्ध 2 करोड 80 लाख की वसूली हुई है। कायाकल्प अभियान 2.0 में 3 करोड 80 लाख रूपये लागत से 3 सडकों के कार्य पूर्ण है। दो सडकों का काम अपूर्ण है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना फेस 3 में 170 लाख रूपये लागत से स्वीकृत 5 सडकों में से 4 सडकों का कार्य पूर्ण है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना फेस 4 में 794 लाख रूपये की लागत से 4 कार्यो में 2 कार्य पूर्ण है।

कमिश्नर रीवा श्री जामोद ने वर्षा पूर्व नगर निगम क्षेत्र के नाले, नालियों की सफाई, बाढ आपदा की स्थिति से निपटने की गई तैयारियों की समीक्षा की। कमिश्नर नगर निगम शेर सिंह मीना ने बताया कि शहर में पिछले कई वर्षो से बाढ जैसी कोई आपदा या हालात पैदा नहीं हुए है। शहरी क्षेत्र के नाले, नालियों की सफाई अप्रैल माह से शुरू कर दी गई थी।

नमकीन गाड़ी तक न पहुंचाने पर पति-पत्नी पर लाठी-रॉड से हमला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम झलवार में एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आधा दर्जन युवकों ने दुकान संचालक राजेंद्र सिंह और उनकी पत्नी नीलम सिंह पर लाठी और रॉड से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया है।

घायल राजेंद्र सिंह ने बताया कि वह झलवार में दुकान चलाते हैं। बीती रात पांच-छह युवक बाइक से उनकी दुकान पर आए और खाने के लिए नमकीन मांगा। राजेंद्र ने नमकीन दे दी, लेकिन आरोपियों ने जिद की कि वह नमकीन को सड़क पर उनकी गाड़ी तक पहुंचाएँ। राजेंद्र ने दुकान से ही नमकीन देने की बात कही और बाहर जाने से मना कर दिया। इस बात पर कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी दुकान के अंदर घुस आए और राजेंद्र सिंह व उनकी पत्नी नीलम सिंह पर लाठी-रॉड से हमला कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही डायल 100 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी एक बाइक छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है और मामले की जाँच शुरू कर दी है। राजेंद्र सिंह ने आरोपियों की पहचान फल्ले, सागर पांडे, ललित और बड़गैयां पंडित के रूप में की है। उनके अनुसार, इन लोगों के साथ पहले कोई विवाद नहीं था।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, और ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन एक अगस्त को

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिय पंजीयन 18 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पर्यटन संपदाओं से भरा-पूरा प्रदेश है। प्रदेश के ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थलों एवं प्राकृतिक स्थलों की जानकारी आमजनों तक पहुंचाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में जिले में एक अगस्त को पर्यटन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर एव सचिव डीएटीसीसी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं से छात्रों को अवगत कराना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम, विद्यालयों का पंजीयन 25 जून से 18 जुलाई तक किया जा सकता है। पंजीयन की सुविधा पर्यटन विकास निगम की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट टूरिज्म डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन पर आनलाइन उपलब्ध है। प्रतियोगिता में जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूल के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

राज्यमंत्री आज सतना आकर विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी 10 जुलाई को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी। निर्धारित कार्यक्रमानुसार राज्यमंत्री प्रातः 11 बजे विटस कॉलेज के पास जनता दरबार सहित अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद इसी रात्रि 9 बजे से रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

ग्राम पंचायत सचिव मटियरा के वित्तीय अधिकार समाप्त - होगी वसूली

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद पंचायत मऊगंज की ग्राम पंचायत मटियरा के ग्राम पंचायत सचिव राजेन्द्र तिवारी के वित्तीय अधिकार समाप्त करने के आदेश दिए हैं। ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यों में अनियमितता की 5 सदस्यीय टीम द्वारा जाँच कराए जाने पर 63 लाख 49 हजार 868 रुपए की राशि ग्राम पंचायत द्वारा अनधिकृत रूप से आहरित करने के प्रमाण मिले।

ग्राम पंचायत सचिव पर 31 लाख 74 हजार 493 रुपए की वसूली अधिरोपित करते हुए वित्तीय अधिकार समाप्त किया गया है। सचिव श्री तिवारी से सचिवीय कार्य यथावत करते रहेंगे।

नर्सिंग छात्राओं ने डॉक्टर के खिलाफ संभागीय आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला प्रसार प्रमुख सुमित डिगवानी ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि रीवा नर्सिंग की 80 छात्राओं दवारा बड़ा साहस कर के एक लिखित शिकायत पत्र मेडिकल कॉलेज प्रशासन को दिनांक 01/07/2025 को दिया गया था जिसमें डॉक्टर अशरफ दवारा मानसिक एवं विभिन्न प्रकार के हरकतों से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है, तीन माह पूर्व भी यही विषय की शिकायत विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी दवारा मौखिक रूप से मेडिकल कॉलेज प्रशासन को दी गई थी, जिस पर किसी प्रकार की कोई भी कार्यवाही या जांच नहीं की गई। यदि सही समय पर संबंधित अधिकारी दवारा जांच कराई गई होती तो आज नर्सिंग की इन छात्राओं का भविष्य खराब ना हो रहा होता। विश्व हिन्दू परिषद महाकौशल प्रांत जिला रीवा के द्वारा संभागीय आयुक्त से मांग की गई है कि आपके निर्देशन में एक कमेटी का गठन किया जाय और डॉक्टर अशरफ के ऊपर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, इस कमेटी में सक्षम अधिकारी तथा सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों को भी शामिल किया जाए। जब तक यह जाँच चले तब तक डॉ अशरफ को मेडिकल कॉलेज के किसी भी विभाग में कोई कार्य ना दिया जाए, अन्यथा वे जाँच को प्रभावित करेंगे। 08 दिन पूर्व की गई शिकायत पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन दवारा कोई भी कार्यवाही क्यों नहीं की गई इसकी भी जांच कराई जाए, यदि उक्त मामले मे किसी अधिकारी की संलिप्तता पाई जाती है तो उनके विरुद्ध भी कार्यवाही की जाए। अपने ऊपर हो रहे अत्याचारों के विरुदध जिन 80 बहनों ने आवाज उठाई है उनके ऊपर बदले की भावना से देवेष पूर्ण कोई कार्यवाही ना हो यह भी सुनिश्चित किया जाए।

यह भी मांग की गई कि दिनांक 08/07/2025 को कई सामाजिक संगठन के लोगों दवारा उठाए गए उक्त विषय को जिस प्रकार से दबाने का प्रयास तथा ढुलमुल रवैया मेडिकल कॉलेज प्रशासन दवारा दिखाया गया उससे यह प्रतीत होता है कि कॉलेज प्रशासन की गंभीरता इस इस विषय पर नहीं है तथा वे इसे एक सामान्य घटना मान कर के इससे पल्ला झाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जाय, यदि ऐसा नहीं होता है तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 29 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6 मं प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 31 मई से प्रारंभ हो चुकी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी ऑनलाइन सेंटर अथवा मोबाइल के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी ने बताया कि विद्यार्थी को रीवा अथवा मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययरत एवं रीवा अथवा मऊगंज जिले का निवासी होना चाहिए। जिन विद्यार्थियों ने कक्षा 3 और 4 की निरंतर पढ़ाई शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय से पूर्ण शिक्षण सत्र में उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत हो ऐसे विद्यार्थी 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा में आगामी सत्र में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर को रीवा और मऊगंज जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। इसके आधार पर तैयार मेरिट सूची के अनुसार विद्यार्थियों को कक्षा 6 में प्रवेश दिया जाएगा। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ और विवरण नवोदय डॉट जीओभी डॉट इन लिंक पर भी प्राप्त की जा सकती हैं। इसका आवेदन पत्र वेबसाइट सीबीएसईआईटीएमएस डॉट आरईआईएल डॉट जीओभी डॉट इन पर किया जा सकता है।

विचार

जनसंख्या वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी

जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि से है, और यह हाल के दशकों में दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जा रही है, भोजन, पानी और ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। जनसंख्या में यह तीव्र वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव से लेकर पर्यावरणीय क्षरण तक कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। हम जनसंख्या की घातीय वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों, ग्रह पर इस वृद्धि के प्रभावों और इस लगातार बढ़ती समस्या को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समाधानों की खोज करके जनसंख्या वृद्धि पर कुछ निबंधों पर चर्चा करेंगे। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है।दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या की घातीय वृद्धि की समस्या है। यह समस्या सबसे बड़ी है। दुनिया के अधिकांश देशों में जनसंख्या के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया के संसाधन सीमित हैं और इसलिए वे एक निश्चित सीमा से ज़्यादा आबादी का भरण-पोषण नहीं कर सकते। दुनिया भर में खाद्यान्न की कमी और नौकरियों की कमी की खबरें आती रही हैं। मनुष्यों की संख्या स्थिर दर से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पहले ही छह अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है और अगले तीन या चार दशकों में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।अगर जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो अधिक आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था जनसंख्या वृद्धि का सामना करने में असमर्थ हो जाएगी। सभी के दरवाज़े पर शांति, आराम और कल्याण लाने की हर कोशिश नाकाम हो जाएगी और अगर जनसंख्या को उचित सीमा में नहीं रखा गया तो दुख प्रमुख हो जाएगा। कुछ देशों को छोड़कर, सभी देश जनसंख्या वृद्धि का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में, दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन है और भारत दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत दुनिया की 17त्न आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बांग्लादेश, जापान, इंडोनेशिया और यूरोप के कुछ देशों जैसे अन्य देशों में जनसंख्या विस्फोट का ख़तरा है। वर्तमान में, दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जिससे कई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। अभी तक, वैश्विक जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन है और 2025 तक 8 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। यह तीव्र वृद्धि पृथ्वी के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है, क्योंकि ग्रह भोजन, पानी, आवास और नौकरियों की माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। अधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों की कमी, पर्यावरण क्षरण और गरीबी के स्तर में वृद्धि हो सकती है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र पर भी दबाव पड़ सकता है।उच्च जन्म दर, परिवार नियोजन तक अपर्याप्त पहुँच, प्रवास और गरीबी जैसे कारक इस समस्या में योगदान करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन और भी बदतर हो जाता है। इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रों को परिवार नियोजन, शिक्षा और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल प्रभावी रणनीतियों को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों और ग्रह के लिए एक स्थिर, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि में किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से है। दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जो वर्तमान में 7.6 बिलियन के करीब है, और 2025 तक इसके 8 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह घातीय वृद्धि ग्रह के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और लगातार बढ़ती आबादी को अनिश्चित काल तक सहारा नहीं दे सकते।तेजी से बढ़ती जनसंख्या की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि यह प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है। अधिक जनसंख्या के कारण अधिक खेती, वनों की कटाई और अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे पर्यावरण का क्षरण होता है। अधिक लोगों को भोजन, पानी और आश्रय की आवश्यकता होने के कारण, भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे आवश्यक संसाधनों का ह्रास होता है।

न्यायालय में निर्णायक मोड़ लेता श्रीकृष्ण जन्मभूमि मसला

ललित गर्ग

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को 'विवादित संरचना' घोषित करने की हिंदू पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में अदालती रिकॉर्ड और आगे की सभी कार्यवाहियों में मस्जिद को आधिकारिक रूप से विवादित स्थल के रूप में दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने मौखिक रूप से याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस संबंध में हिंदू पक्ष द्वारा दायर आवेदन को इस चरण में खारिज किया जा रहा है। इस फैसले को लंबे समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई में मुस्लिम पक्षकार भले ही राहतकारी माने, लेकिन न्यायिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक अस्मिता के संघर्ष में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह भूमि विवाद पर जो भी फैसला अंतिम रूप से आएगा, वह बहुत प्रभावी होगा, न्यायसंगत होगा। अतः ऐसे किसी पुता फैसले तक पहुंचते हुए पूरी सावधानी एवं धैर्य से आगे बढ़ना चाहिए। इस फैसले से इस विवाद में एक नया रुख सामने आया है, जो महत्वपूर्ण और विचारणीय है।

याचिका में यह मांग की 'शाही ईदगाह मस्जिद' शब्द की जगह 'विवादित ढांचा' शब्द का इस्तेमाल किया जाए, अगर यह शाब्दिक बदलाव किया जाता, तो एक तरह से यह इस विवाद पर निर्णायक फैसले जैसा होता। जिससे अनावश्यक विवाद या अड़चन की संभावनाएं पनपती। यह विवाद राजनीति मोड़ भी ले सकता था, निश्चित ही अगर राजनीति होगी, तो अंतिम फैसले में अनावश्यक रूप से समय लगेगा। साथ ही, अशांति की आशंका भी बढ़ेगी। इसलिये अदालत के फैसले को सकारात्मक नजरिये से देखा जाना चाहिए। नए नामकरण की यह कोशिश उच्च न्यायालय में अगर नाकाम हुई है, तो कोई अचरज नहीं, ना ही किसी पक्ष की जीत और किसी पक्ष की हार है। इतने संवेदनशील मसले में यह नामकरण पूरे मुकदमे को प्रभावित करता, अत: अदालत ने समझदारीपूर्ण सही फैसला किया है। 'श्रीकृष्ण जन्मभूमि' का स्थान न केवल करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि भारतीय संस्कृति और इतिहास का अमिट प्रतीक भी है। परंतु, इसी पवित्र स्थल पर स्थित शाही ईदगाह मस्जिद के साथ एक लंबे समय से विवाद चला आ रहा है जो अब न्यायालय की चौखट पर निर्णायक मोड़ लेता दिखाई दे रहा है।

जन्मभूमि पक्ष के याचिकाकर्ताओं का यह दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित है, अत: जन्मभूमि पक्ष को भूमि पर कब्जा दिया जाए। मस्जिद के ढांचे को हटाया जाए, मूल मंदिर का निर्माण हो, वहां मुस्लिम मजहबी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। इन्हीं मांगों के साथ जन्मभूमि पक्ष की ओर से करीब 18 मुकदमे दायर हैं। इनकी सुनवाई यथावत जारी रहेगी। नामकरण संबंधी आवेदन के खारिज होने का कोई असर मूल मुकदमों पर नहीं पड़ेगा। अब दोनों ही पक्षों को पूरे संयम का परिचय देना चाहिए। अदालत का ताजा रुख न किसी के लिए बड़ी हार है और न किसी के लिए बड़ी जीत। महत्वपूर्ण बात यह है कि जन्मभूमि के पक्ष में दायर याचिकाओं को अदालत ने सुनने लायक माना है। पहले इन याचिकाओं को ईदगाह पक्ष ने चुनौती दी थी, पर अदालत ने चुनौतियों को खारिज कर दिया था। पिछले वर्ष 1 अगस्त को उच्च न्यायालय ने वक्फ अधिनियम, पूजा स्थल अधिनियम, 1991 और अन्य कानूनों के आधार पर ईदगाह पक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए जन्मभूमि पक्ष द्वारा दायर याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना था। अब जब सुनवाई आगे बढ़ गई है, तब ऐसी सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुस्लिम कब्जे से मुक्त हो और वहां मन्दिर के निर्माण का स्वप्न आकार ले।

हिंदू याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि मस्जिद की दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं के प्रतीक और रूपांकन अभी भी दिखाई देते हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया कि केवल अवैध रूप से भूमि पर कब्जा करने से स्वामित्व स्थापित नहीं होता है और उन्होंने अयोध्या विवाद के साथ समानताएं बताईं। अब जब नामकरण या नाम परिवर्तन की कोशिशों पर अदालत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है, तब जन्मभूमि पक्ष को छोटे-छोटे फैसले कराने की कोशिश करने के बजाय बड़े फैसले तक पहुंचने की तैयारी एवं जल्दी दिखानी चाहिए, यह विवाद जितनी जल्दी सुलझ जाए, उतना अच्छा है। श्रीराम मन्दिर-अयोध्या की तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराकर वहां भव्य मन्दिर निर्माण की ओर सारा ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। देर भले ही लगे लेकिन अदालत का फैसला श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्ष में आना है, क्योंकि इस विवाद में जन्मभूमि पक्ष में पर्याप्त दस्तावेज या सुबूत मौजूद हैं, जिनका अदालत में परीक्षण होना है। निस्संदेह, पूरे परीक्षण और विचार के बाद ही कोई फैसला आएगा। लेकिन इस फैसले की दिशाएं मथुरा को पुराणों, महाकाव्यों और ऐतिहासिक अभिलेखों में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली के रूप में वर्णित उद्धरणों एवं साक्ष्यों से स्पष्ट है। 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगज़ेब के शासनकाल में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बने मंदिर को ध्वस्त करके वहां शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया गया। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के अनुसार, यह मस्जिद मंदिर को ध्वस्त करने उसके अवशेषों पर ही बनाई गई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के साथ दस बिंदुओं पर बिना किसी अधिकार के समझौता किया था। 13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है। जब भूमि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ के नाम पर थी ही नहीं तो उसके द्वारा समझौता कैसे किया जा सकता है? 2020 में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति याचिका के माध्यम से फिर से यह मुद्दा न्यायालय में आया। याचिका में यह दावा किया गया कि 13.37 एकड़ भूमि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली है और वहां मौजूद ईदगाह मस्जिद अवैध है। साथ ही, 1951 का समझौता भी अवैध, असंवैधानिक और शून्य घोषित किए जाने की मांग की गई। 2023 से इलाहाबाद उच्च न्यायालय और मथुरा की जिला अदालतों ने इस मामले को गंभीरता से लेना शुरू किया। अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को भूमि की वैज्ञानिक जांच की अनुमति दी, जैसा श्रीरामजन्मभूमि मामले में हुआ था। अदालत ने 1951 के समझौते की वैधता पर सवाल उठाए हैं क्योंकि कटरा केशवदेव ट्रस्ट को जन्मभूमि का संप्रभु प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता था।

जन्मभूमि पक्ष की याचिकाओं को प्रारंभिक दौर में ही खारिज करने से इनकार किया गया और मुकदमे की सुनवाई की अनुमति दी गई। करोड़ों हिंदुओं की आस्था एवं ऐतिहासिकता है कि वर्तमान ईदगाह मस्जिद के नीचे श्रीकृष्ण का वास्तविक जन्मस्थान है। पुरातात्विक साक्ष्य भी मंदिर के अवशेषों की पुष्टि करते हैं। औरंगज़ेब द्वारा मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनवाने का स्पष्ट उल्लेख फारसी शिलालेखों व इतिहासकारों की रचनाओं में भी मिलता है। पूजा स्थल अधिनियम-1991 का कानून 15 अगस्त 1947 की स्थिति को बनाए रखने की बात करता है, परंतु श्रीकृष्ण जन्मभूमि एक जीवित और सतत पूजा स्थल है, और इसमें अपवाद की आवश्यकता है जैसा अयोध्या मामले में देखा गया। यह विवाद केवल एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक न्याय की मांग भी है। यह मसला न्यायपालिका से निष्पक्ष न्याय की अपेक्षा इसलिये भी करता है कि यह अधिसंख्य जनभावनाओं, ऐतिहासिक तथ्यों और धार्मिक अस्मिता से जुड़ा हुआ है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद अब केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि न्याय और आस्था के संतुलन की कसौटी बन चुका है। जैसे अयोध्या में शताब्दियों के संघर्ष के बाद न्याय की विजय हुई, वैसे ही मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि को भी न्याय की प्रतीक्षा है। न्यायालय का नया दृष्टिकोण एक आशा की किरण बनकर उभरा है, जो भविष्य में ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

दुर्लभ खनिजों पर दुनिया को एकजुट करने की पहल, मोदी ने दी चीन को कूटनीतिक चुनौती

नीरज कुमार दुबे

रियो डी जेनेरो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और उसे भू-राजनीतिक दबाव से मुक्त रखने की ज़रूरत को जोरदार ढंग से उठाया। उनका यह भाषण ऐसे समय में आया है जब चीन विश्व की 90त्न से अधिक दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण क्षमता पर नियंत्रण रखता है और हाल ही में इन संसाधनों के निर्यात पर प्रतिबंध जैसी कार्रवाइयों से उसने वैश्विक चिंताओं को जन्म दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी प्रधानमंत्री की उपस्थिति में यह चेतावनी दी कि रणनीतिक संसाधनों का हथियारकरण वैश्विक असंतुलन को जन्म देगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना ज़रूरी है कि कोई भी देश इन संसाधनों का अपने निजी स्वार्थ या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में उपयोग न करे। हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, परंतु संदर्भ और समय को देखते हुए यह टिप्पणी चीन के संदर्भ में एक अप्रत्यक्ष आलोचना के रूप में देखी जा रही है। हम आपको बता दें कि चीन की दुर्लभ खनिजों पर पकड़ स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, सेमीकंडक्टर और एआई जैसे भविष्य के उद्योगों को नियंत्रित करने का माध्यम बनती जा रही है। हाल में चीन द्वारा इन खनिजों के निर्यात पर लगाई गई पाबंदियों ने अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों को आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को लेकर सचेत और चिंतित किया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स मंच से अपने भाषण में यह स्पष्ट किया कि वैश्विक ऊर्जा संक्रमण और तकनीकी नवाचार के लिए क्रिटिकल मिनरल्सङ्क जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और दुर्लभ मृदा तत्व अनिवार्य हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला कुछ देशों के एकाधिकार में है, जो वैश्विक असंतुलन का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों से सामूहिक रूप से इस चुनौती से निपटने का आह्वान करते हुए कहा, हमें मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स और तकनीक की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना होगा। देखा जाये तो यह संदेश केवल चीन की नीति के विरोध में नहीं था, बल्कि ब्रिक्स के भीतर सहयोग और विविधीकरण के नए अवसरों को

तलाशने की दिशा में एक सक्रिय पहल भी थी। इसलिए मोदी ने एक ब्रिक्स क्रिटिकल मिनरल्स साझेदारी की स्थापना का प्रस्ताव रखा, जिसके तहत सदस्य देश इन संसाधनों की खोज, निष्कर्षण और प्रसंस्करण में सहयोग कर सकें। साथ ही आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविध और लचीला बनाया जा सके तथा ग्लोबल साउथ के देशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता दी जा सके। भारत की यह पहल वैश्विक जलवायु लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ घरेलू मैन्युफैक्चरिंग, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर उद्योगों को बल देने की रणनीति का हिस्सा है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने केवल खनिजों तक सीमित न रहकर वैश्विक शासन प्रणाली में भी व्यापक बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं 21वीं सदी की वास्तविकताओं को दर्शाएं और विकासशील देशों को सशक्त आवाज़ दें। हम आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद विश्व बैंक और जैसे संस्थानों में सुधार की मांग भारत द्वारा लंबे समय से की जा रही है और यह भाषण उस नीति की निरंतरता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत चीन की आपूर्ति पर निर्भरता को कम करने के लिए पहले से ही कई उपायों पर काम कर रहा है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और अफ्रीका के देशों के साथ क्रिटिकल मिनरल्स पर साझेदारी की जा रही है। खनिज सुरक्षा साझेदारी जैसे अंतरराष्ट्रीय फ्रेमवर्क में भागीदारी की गयी है। साथ ही घरेलू स्तर पर दुर्लभ खनिजों की खोज और उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। देखा जाये तो यह केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी निर्णायक कदम है। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिका में संपन्न क्वॉड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविध बनाने के उद्देश्य से 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव' की शुरुआत करने पर भी सहमति बनी है। यह कदम आर्थिक सुरक्षा को मज़बूती देने की दिशा में एक व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जो चीन द्वारा इस क्षेत्र में मूल्य हेरफेर समेत अन्य दबावयुक्त रणनीतियों की चिंताओं के मद्देनज़र उठाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी का ब्रिक्स मंच से दिया गया संदेश इस बात का प्रमाण है कि भारत अब भविष्य की सामरिक अर्थव्यवस्था के केंद्र में रहना चाहता है, वह केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि संचालक और नीति-निर्माता के रूप में उभर रहा है। चीन के खनिज प्रभुत्व के विरुद्ध सामूहिक वैश्विक सोच को आकार देने के लिए प्रधानमंत्री का यह भाषण एक निर्णायक मोड़ साबित होगा। हम आपको यह भी बता दें कि भारत अगले वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा। प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में कहा है कि अगले वर्ष भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में मानवता सर्वप्रथम दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा, जिस प्रकार हमने अपनी अध्यक्षता के दौरान जी-20 को व्यापकता दी, एजेंडे में 'ग्लोबल साउथ' के मुद्दों को प्राथमिकता दी, उसी प्रकार ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान हम इस मंच को जन-केंद्रित और मानवता सर्वप्रथम की भावना के साथ आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत, हम ब्रिक्स को एक नये रूप में परिभाषित करने के लिए काम करेंगे।

डॉक्टर पर 80 नर्सिंग छात्राओं ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

नर्सिंग छात्राओं का मेडिकल कॉलेज में जेडीए ने किया समर्थन, डॉक्टर को ड्यूटी से हटाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल के ईएनटी विभाग के डॉक्टर अशरफ पर बीएससी नर्सिंग की 80 छात्राओं ने यौन दुर्व्यवहार और असहज व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं ने नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के व्यवहार से वे खुद को असुरक्षित और मानसिक रूप से प्रताड़ित महसूस कर रही हैं।

प्राचार्य ने छात्राओं की शिकायत को गंभीर मानते हुए श्यामशाह मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल को पत्र लिखा। डीन ने मामले की जांच के लिए आंतरिक परिवाद समिति की तीन सदस्यीय टीम बनाई है। इसमें डॉ. शशि जैन (नेत्र रोग विभागाध्यक्ष), डॉ. नीरा मराठे (पीएसएम), रीना पटेल (स्टाफ नर्स), और एनजीओ प्रतिनिधि कमलेश सचदेवा शामिल हैं। टीम को एक सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा गया है।

जेडीए और एबीबीपी ने किया समर्थन, कार्रवाई की मांग: जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के डॉ. आशय द्विवेदी ने कहा, 80 छात्राओं ने एक ही डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। निलंबन और निष्कासन ही एक मात्र उपाय है। जब तक जांच पूरी नहीं होती, तब तक डॉक्टर को ड्यूटी से हटाना चाहिए। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी कॉलेज में प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने "डीन तुम शर्म करो" और "डॉ. अशरफ इस्तीफा दो" जैसे नारे लगाए। उन्होंने डीन के चैंबर के बाहर प्रदर्शन करते हुए कॉलेज प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया।

डीन को भी शर्म करनी चाहिए- जिला संयोजक: जिला संयोजक पीएन पांडे ने कहा "अगर 80 छात्राएं एक ही बात कह रही हैं तो वे झूठ नहीं बोल सकतीं। यह रीवा की साख पर सवाल है। मेडिकल कॉलेज के डीन को भी शर्म करनी चाहिए।"

छात्राओं ने ईएनटी विभाग में ड्यूटी करने से मना किया: डॉ. अशरफ की देखरेख में होने वाले क्लीनिकल कामों से नर्सिंग की द्वितीय और तृतीय वर्ष की छात्राओं ने हाथ खींच लिया है। उन्होंने कहा कि कोलकाता के आरजी कॉलेज की घटना के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। छात्राओं का कहना है कि डॉक्टर का व्यवहार क्लीनिकल लर्निंग माहौल को प्रभावित कर रहा है। प्राचार्य प्रवीण पटेल ने बताया, छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ईएनटी विभाग में उनकी ड्यूटी पर रोक लगाई गई है।

पूर्व में भी विभाग पर लगे हैं आरोप: ईएनटी विभाग वही है जहां कुछ दिन पहले एक वार्ड बॉय ने नाबालिग के साथ छेड़छाड़ की थी। नाबालिग ने गैंगरेप के भी आरोप लगाए थे। उस मामले की जांच अभी जारी है।

प्रबंधन बैकफुट पर, कार्रवाई की मांग तेज: लगातार शिकायतों और छात्र संगठनों के दबाव के बाद कॉलेज प्रबंधन बैकफुट पर आ गया है। अब जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर अशरफ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीन डॉ. सुनील अग्रवाल ने कहा, "छात्राओं ने चिकित्सक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।"

अतिक्रमण हटाने गई लेडी कॉन्स्टेबल और सिक्योरिटी गार्ड पर हमला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के बदेरा थाना क्षेत्र के ग्राम सरेड़ा में मंगलवार दोपहर सीमेंट कंपनी की खदान से अतिक्रमण हटाने गई पुलिस और सिक्योरिटी टीम पर हमला हो गया। इस दौरान एक बुजुर्ग महिला ने लेडी कॉन्स्टेबल पूर्णिमा सिंह के सिर पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और खून बहने लगा। वहीं, परिवार की बहू ने महिला सिक्योरिटी गार्ड उमा दाहिया को दांतों से काट लिया। दोनों घायलों का मौके पर मौजूद एम्बुलेंस में प्राथमिक उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार, लखन पटेल ने मुआवजा मिलने के बावजूद खदान की जमीन खाली नहीं की थी। सिविल कोर्ट के बेदखली आदेश के बाद भी उन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया। मंगलवार को कंपनी प्रबंधक, सिक्योरिटी गार्ड, राजस्व विभाग और पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए पहुँचे। कार्रवाई के दौरान जेसीबी से मकान गिराया जा रहा था, तभी लखन पटेल की माँ और बहू ने आक्रोशित होकर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि लेडी कॉन्स्टेबल पूर्णिमा सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है। पुलिस अब बुजुर्ग महिला और उनकी बहू के खिलाफ मामला दर्ज करने की तैयारी कर रही है। घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, और पुलिस मामले की जाँच में जुट गई है।

चिरहुलनाथ मंदिर में अतिक्रमण पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के ऐतिहासिक चिरहुलनाथ मंदिर के आसपास अतिक्रमण को हटाने के लिए बुधवार को नगर निगम और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। मंदिर मार्ग पर पूजा सामग्री बेचने के नाम पर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। इस दौरान भारी पुलिस बल, नगर निगम के अधिकारी, एसडीएम, और तहसीलदार मौके पर मौजूद रहे।

चिरहुलनाथ मंदिर, रीवा का एक प्राचीन धार्मिक स्थल है, जहां गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 10 जुलाई 2025 को भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। मंदिर के रास्ते पर नगर निगम की दुकानों के बाहर सड़क पर अवैध रूप से दुकानें संचालित हो रही थीं, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन और पार्किंग में काफी परेशानी हो रही थी। प्रशासन ने दुकानदारों को पहले भी अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी, लेकिन अनुपालन न होने के कारण यह कार्रवाई करनी पड़ी।

एसडीएम अनुराग तिवारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के मद्देनजर मंदिर मार्ग को सुगम और स्वच्छ बनाने के लिए यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा, "नगर निगम द्वारा निर्मित दुकानों में दुकानदारों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है, फिर भी सड़क पर अतिक्रमण किया गया था। आज की कार्रवाई से मार्ग को खाली कराया गया है ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।"

कार्रवाई के दौरान दुकानदारों ने भारी विरोध किया, लेकिन भारी पुलिस बल और नगर पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का कार्य पूरा किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मंदिर के आसपास व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी।

सगे भाइयों से परेशान बुजुर्ग ने खुदको मारी थी गोली, राजस्थान से आरोपी गिरफ्तार

न्यायालय में प्रस्तुत कर पुलिस ने रिमांड प्राप्त किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में बुजुर्ग ने साइबर ठगों से परेशान होकर खुद को गोली मार ली, इससे उसकी मौत हो गई। बुजुर्ग को रुपयों के लिए जो साइबर ठग परेशान कर रहे थे वो तीनों सगे भाई ही हैं। उन्होंने खुद को सिक्के और नोट जमा करने वाली संस्था के व्यक्ति बताकर बात की थी। आरोपियों ने बुजुर्ग की मौत के बाद भी लगातार कॉल किए थे।

पुलिस ने जुबेर खान, यासीन मोहम्मद, शब्बीर खान पिता हसन को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को रीवा लाकर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया।

तीनों आरोपियों ने बुजुर्ग को कभी बैंक अधिकारी बनकर तो कभी पुलिस अधिकारी बनकर डराया। उससे 37 हजार रुपए लिए। और रुपयों के लिए परेशान किया, जिसके बाद बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली थी।

मामला 4 जुलाई का है। जब 65 वर्षीय बुजुर्ग ने साइबर ठगों से परेशान होकर 2 बोर बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या की। पुलिस को तीनों आरोपियों ने ठगी का पूरा तरीका बताया।

आरोपी जुबेर खान, यासीन मोहम्मद, शब्बीर खान ग्राम थाना घोड़ा, थाना किशनगढ़ बास, जिला खैरथल तिजारा, राजस्थान के रहने वाले हैं। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि सरोज दुबे से पुरानी नोट सिक्के खरीदने के नाम पर 37,000 रुपये की ठगी की।

ठगों की गैंग ने पुराने नोट और सिक्के खरीदने वाली संस्था बनकर बुजुर्ग से सम्पर्क किया है। आरोपियों ने पहले फोन पर बुजुर्ग से बातचीत की। उसे पुराने नोट और सिक्कों के फोटो व्हाट्सएप पर डालने को कहा।

उन्होंने कहा कि पुराने नोट और सिक्के के फोटो क्लिक कर डालिए, जिसके बाद हमारी टीम उन्हें कलेक्ट करने 24 से 48 घंटे के भीतर आपके घर पहुंचेगी। जिसके लिए उन्होंने बुजुर्ग को वॉट्सऐप पर एक पुलिस अधिकारी की फोटो वाला पोस्टर भेजा।

पुराने नोट-सिक्कों की खरीदी करने वाला बताया: इसमें एक शासकीय संस्था होने का दावा किया गया। जो कि पुराने सिक्के और नोट खरीदती है। जो सरकार के अंडर में काम करती है। जिसका नाम इंडियन ओल्ड कॉइन सेल कंपनी बताया गया। बुजुर्ग ने पुराने एक और पांच के नोट, सिक्के और कुछ दूसरे नोट भी इकट्ठे किए। सिक्कों को तो एक प्लेट पर सजाकर रखा। फिर उनकी फोटो क्लिक कर ठगों को भेजी। जिस पर एक ऑडियो के जरिए ठग का रिप्लाई आया और ठग ने कहा कि आपकी पुरानी नोट और सिक्के आगे की प्रक्रिया के लिए अप्रूव हो गए हैं। अब आपको 520 रुपए एक प्रक्रिया के लिए जमा करने पड़ेंगे। जिसमें से 20 रुपए चार्ज कट जायेगें। जो रिफंड नहीं होंगे। जबकि बाकी के 500 रुपए जब हमारी टीम मौके पर कैश लेकर आपके घर पहुंचेगी। वो पैसा भी लौटा दिया जाएगा।

आरोपियों ने बुजुर्ग से रुपए जमा कराए: ठगों ने बुजुर्ग से कहा कि यह सब प्रक्रिया तभी सम्भव हो पाएगी। जब वे पहले 520 रुपए जमा करेंगे, जिसके लिए एक स्कैनर भेजा गया। ठगों ने शब्बीर लिखे एक स्कैनर में बुजुर्ग को पैसे भेजने के लिए कहा। बुजुर्ग ने झांसे में आकर 1 जुलाई की दोपहर पंकज कुमार सक्सेना के एयरटेल पेमेंट बैंक में जाकर 520 रुपए ट्रांसफर करवा दिए। जिसके बाद बदमाशों ने बुजुर्ग से उसकी फोटो, आधार कार्ड और पैन कार्ड की फोटो भेजने को कहा। थोड़ी ही देर में बुजुर्ग ने सब कुछ भेज दिया। जिसके बाद बदमाशों ने बुजुर्ग की फोटो लगा एक सर्टिफिकेट भेजा। जिसके जरिए बुजुर्ग को बताया गया कि आप ने जो पुरानी नोट और सिक्के भेजे हैं, उनके जरिए आप 65 लाख 75 हजार रुपए के हकदार बन गए हैं। यह पैसे 2 जुलाई को आप के घर डिलीवर कर दिए जाएंगे। दोपहर साढ़े 12 बजे पैसे की डिलीवरी हो जाएगी।

बुजुर्ग ने ठगों से पूछा कि क्या भरोसा कि पैसे मिलेंगे और आप कहां और किस कंपनी से हो। जिस पर ठगों ने उसे एक फर्जी आधार कार्ड और कथित ओल्ड कॉइन सेल डिपार्टमेंट का एक आईडी कार्ड भेजा। जिसमें ठग का नाम विवेकानंद शुक्ला और पता रहीमाबाद गोरखपुर लिखा हुआ था। फिर बदमाशों ने दो जुलाई को सुबह से ही बुजुर्ग पर पैसे ट्रांसफर करने के लिए दोबारा दबाव डाला। ठगों ने कहा कि अगर पैसे ट्रांसफर नहीं किए तो प्रक्रिया यहीं पर रोक दी जाएगी। बुजुर्ग से कहा कि दी जाने वाली राशि के लिए टैक्स और जीएसटी की राशि पहले ही जमा करनी पड़ेगी। जीएसटी चार्ज 17 हजार 500 रुपए और टैक्स अमाउंट 12 हजार 630 रुपए है।

लगातार आ रहे फोन के बाद बुजुर्ग ने एमपी ऑनलाइन में जाकर 2 जुलाई की दोपहर 12 बजकर 51 मिनट पर शब्बीर नाम के ठग के खाते में 7 हजार 120 रुपए ट्रांसफर किए। फिर 2 जुलाई को ही 1 बजकर 47 मिनट पर 12 हजार 630 रुपए, 2 जुलाई को 4 बजकर 35 मिनट पर 3 हजार रुपए, 2 जुलाई को 4 बजकर 11 मिनट पर 7 हजार रुपए, 2 जुलाई की रात 7 बजकर 51 मिनट पर 3500 रुपए, 2 जुलाई की रात 7 बजकर 52 मिनट पर 4 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

2 जुलाई को इतने अधिक पैसे का ट्रांजैक्शन इसलिए किया क्योंकि 2 जुलाई को उसे पैसों की डिलीवरी डेट बताई गई थी। ठग बार बार यह कह रहे थे कि हम ठग नहीं है। हम पर भरोसा करो। भगवान सभी को जीवन में एक ही बार मौका देता है। बार बार मौका नहीं देता। हम ठग नहीं हैं, भले ही आजकल ठगी भी हो रही हो लेकिन हम ईमानदारी से काम करते हैं।

3 जुलाई को ठग बुजुर्ग को लगातार फोन कर पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाते रहे। साथ में यह भी कहते रहे कि अगर और पैसे प्रक्रिया पूरी करने के लिए ट्रांसफर नहीं किए तो पुराने पैसे भी रिफंड नहीं होंगे। जिसकी वजह से 3 जुलाई को बुजुर्ग बुरी तरह से तनाव में आ गया। इसके बाद बदमाशों ने बुजुर्ग को पैसों से भरे बैग का एक वीडियो भेजा जिसमें पैसे ही पैसे थे। 500 की नोटों के बंडल भरे पड़े थे। बैकग्राउंड में एक बदमाश कहता हुआ नजर आया कि यह सारे पैसे आपके हैं, जो तैयार किए जा रहे हैं, प्रक्रिया जल्दी पूरी करिए नहीं तो जो है उससे भी हाथ धो बैठेंगे। बुजुर्ग ने 3 जुलाई को भी रिश्तेदारों और दोस्तों से पैसे लेकर ठगों को ट्रांसफर किए ताकि उसके बाकी के पैसे मिल सकें। लगातार ठग उन्हें फोन करते रहे और धमकाते रहे कि अगर बाकी के पैसे नहीं दिए तो दिए गए पैसे डूब जाएंगे और फिर कभी नहीं मिल पाएंगे।

मृतक की पत्नी निर्मला दुबे ने बताया कि मेरे पति के मरने के बाद भी आरोपी ठग लगातार कॉल करते रहे। वो मुझसे भी पैसों की डिमांड करते रहे। मैंने उनसे कहा कि अब तो शर्म करो तुम्हारी वजह से मेरी पति की मौत हो गई। जिसके बाद पूरे मामले की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने बदमाशों की तलाश में रीवा से टीम रवाना की।

हत्या के प्रयास का 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती आरती सिंह के निर्देशन में अमहिया पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार 5000 रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नगर पुलिस अधीक्षक-1 श्रीमती डॉ. रितु उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमहिया उपनिरीक्षक शिवा अग्रवाल और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की।

घटना 27 मई 2025 को रात लोटस टावर के सामने मेन रोड, खुटेही, रीवा में हुई थी। फरियादी दीपक पाण्डेय (28 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 11, सिरमौर, रीवा पर अंकुल तिवारी और अन्य आरोपियों ने लोहे की रॉड और बेल्ट से मारपीट की थी, जिससे वह बेहोश हो गए। हमलावर मौके से फरार हो गए थे। इस मामले में थाना अमहिया में अपराध क्रमांक 153/25, धारा 296(2), 109(1), 115(2), 351(2), और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की और अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान मुख्य आरोपी अंकुल तिवारी (19 वर्ष), पुत्र कौशलेश तिवारी, निवासी ग्राम बगदरा, थाना सगरा, जिला रीवा को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नशीली कफ सिरप के साथ महिला गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिविल लाइन पुलिस ने नशीली कफ सिरप की अवैध बिक्री के मामले में एक महिला को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। महिला के कब्जे से 212 शीशियां नशीली कफ सिरप बरामद की गई हैं। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।पुलिस को गश्त के दौरान एक महिला के संदिग्ध व्यवहार पर शक हुआ, जो सफेद रंग की बोरी में कुछ सामान ले जा रही थी। तलाशी लेने पर बोरी में नशीली कफ सिरप की शीशियां मिलीं। पूछताछ में महिला ने अपना नाम झल्लू लोनिया (50 वर्ष), पति दिलीप लोनिया, निवासी कबाड़ी मोहल्ला, रीवा बताया। महिला ने पूछताछ में नशे की खेप की आपूर्ति करने वाले के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी है।

पुलिस ने बरामद सिरप को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सतना मेयर की फैक्ट्री पर 65 लाख का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

निर्वाचन रद्द करने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में मेयर योगेश ताम्रकार और पार्षद गोपी गेलानी के खिलाफ प्रॉपर्टी टैक्स बकाया मामले में तृतीय व्यवहार न्यायाधीश प्रत्युष चतुर्वेदी की अदालत में परिवाद दर्ज किया गया है। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने मंगलवार को यह परिवाद दायर कर मेयर और पार्षद के निर्वाचन को रद्द करने की मांग की है।

परिवाद के अनुसार, मेयर योगेश ताम्रकार की विंध्या सेरेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री, जो शहर के इंडस्ट्रियल एरिया में भवन क्रमांक 511 में स्थित है, पर लगभग 65 लाख रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। नगर निगम ने 26 मार्च 2016 को मेयर सहित 30 भवन स्वामियों को नोटिस जारी किया था, जिसमें उस समय फैक्ट्री पर 21 लाख 60 हजार 725 रुपये का टैक्स बकाया था। याचिकाकर्ता के वकील नरेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम की धारा 26 के तहत, यदि कोई जनप्रतिनिधि निर्वाचित होने के 3 महीने के भीतर बकाया टैक्स का भुगतान नहीं करता, तो वह अपने पद के लिए अयोग्य हो जाता है। मेयर और पार्षद पर बकाया राशि, जो कथित तौर पर करोड़ों में है, निर्वाचन के करीब 3 वर्ष बाद भी जमा नहीं की गई है।

2016 में नगर निगम की नोटिस के खिलाफ मेयर और अन्य बकायादारों ने प्रथम अपर जिला न्यायाधीश के समक्ष याचिका दायर की थी। अदालत ने 2011 के बाद का प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने का आदेश दिया और 1997 से 2011 तक के टैक्स के लिए पुनरीक्षण की राहत दी। इसके खिलाफ मेयर ने हाईकोर्ट में अपील की, जहाँ उन्हें स्टे मिल गया। हालांकि, 28 मई 2024 को मेयर ने अपनी याचिका वापस ले ली।

जिलाध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने आरोप लगाया कि मेयर और पार्षद ने नियमों का उल्लंघन किया है, जिसके आधार पर उनके निर्वाचन को रद्द किया जाना चाहिए। इस मामले ने सतना की राजनीति में हलचल मचा दी है, और कोर्ट के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

डाइट सतना में शिक्षिका नीलम मिश्रा के नाम नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना डाइट में ड्रेस खरीदी को लेकर विवाद सामने आया है। संस्थान की शिक्षिका नीलम मिश्रा ने नए छात्रों को दुकान के विजिटिंग कार्ड बांटे और वहीं से ड्रेस खरीदने का दबाव बनाया।

आरोप है की छात्रों को गंगा फैंसी क्लाथ स्टोर्स, सिटी कोतवाली चौक की दुकान के कार्ड दिए गए। इन कार्ड पर अंग्रेजी में 'डाइट सतना' भी लिखा हुआ था। डीएलएड के नए छात्रों को 20 जुलाई तक नई ड्रेस पहनकर आने के निर्देश दिए गए थे।

इस मामले में करीब 28 छात्रों ने प्राचार्य को लिखित शिकायत की है। छात्रों का कहना है कि प्रवेश के समय उन्हें एक विशेष दुकान से ही ड्रेस खरीदने को कहा गया। डाइट प्राचार्य सच्चिदानंद पांडेय ने शिकायत के बाद समिति के अध्यक्ष के नाम नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि डाइट की प्रवेश समिति में 4 सदस्य हैं, जिनमें से एक नीलम मिश्रा है।

सिरमौर जनपद पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ कलेक्टर के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव

लगाए गंभीर आरोप, 19 सदस्यों ने लगाए वित्तीय अनियमितता और 10% कमीशन मांगने के आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सिरमौर जनपद पंचायत में लंबे समय से चल रहे विवाद अब चरम पर पहुँच गए हैं, और तख्ता पलट की स्थिति बन चुकी है। जनपद पंचायत के 25 में से 19 सदस्यों ने कलेक्टर के समक्ष अध्यक्ष रबीना साकेत के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। सदस्यों ने अध्यक्ष पर वित्तीय अनियमितता, कदाचरण, दुर्व्यवहार और हर कार्य के लिए 10% कमीशन मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। इसके साथ ही, पंचायती राज अधिनियम के विपरीत कार्य करने का भी आरोप है।

जनपद सदस्य रामलाल ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में अध्यक्ष ने जनपद निधि का आवंटन नहीं किया, जिसके कारण सदस्य अपने क्षेत्रों में विकास कार्य नहीं कर पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अध्यक्ष कुछ सरपंचों से कमीशन लेकर कार्य करते हैं, लेकिन निर्वाचित सदस्यों की मांगों को अनसुना करते हैं। इसके अलावा, हैंडपंप जैसे बुनियादी कार्यों के लिए भी कर्मचारी नहीं भेजे जाते, जिससे जनता को परेशानी हो रही है। यह भी बताया कि 14 फरवरी को आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह में महिला सदस्यों को मंच पर बैठने की व्यवस्था तक नहीं दी गई, जिससे नाराजगी और बढ़ी।

सदस्यों ने यह भी खुलासा किया कि अध्यक्षी का संचालन रबीना साकेत के बजाय रविराज विश्वकर्मा द्वारा किया जा रहा है, जिसे वे अनुचित मानते हैं। अविश्वास प्रस्ताव के बाद तीन महिला दावेदार- मुन्नी, सावित्री साकेत और श्याम कली साकेत- अध्यक्ष पद के लिए सामने आई हैं। इन दावेदारों ने कहा कि वे सभी सदस्यों के साथ मिलकर पारदर्शी तरीके से जनपद का विकास करेंगी और भ्रष्टाचार को खत्म करेंगी।

मुन्नी ने कहा, "हम सभी सदस्य मिलकर काम करेंगे, कोई भेदभाव नहीं होगा।" सावित्री साकेत ने जोर देकर कहा कि वे सभी के सहयोग से विकास कार्य करेंगी, जबकि श्याम कली साकेत ने भ्रष्टाचार को खत्म करने और जनपद के विकास पर ध्यान देने का वादा किया।

19 सदस्यों के समर्थन के साथ अविश्वास प्रस्ताव के बाद यह माना जा रहा है कि सिरमौर जनपद पंचायत में तख्ता पलट लगभग निश्चित है। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है, और माना जा रहा है कि इस विवाद में दो बड़े जनप्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा भी दाँव पर लगी है। जिला प्रशासन अब इस प्रस्ताव पर नियमानुसार कार्रवाई करेगा, जिसमें विशेष सभा बुलाकर मतदान की प्रक्रिया हो सकती है।

पटना में गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर ने कराई

पटना (एजेंसी)। बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर अशोक साह ने कराई थी। दोनों के बीच कारोबार को लेकर विवाद था। हत्या के लिए अशोक साह ने शूटर उमेश को हायर किया था। उमेश ने ही गोपाल खेमका को 4 जुलाई को घर के गेट पर गोली मारी थी। पुलिस ने सोमवार को बिल्डर अशोक साह, शूटर उमेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शूटर के पास से 3 लाख कैश बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि उदयगिरि अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 601 से अशोक साह को गिरफ्तार किया गया। इस फ्लैट में कभी कुख्यात अशोक सम्राट और बृजबिहारी का सहयोगी रत्नेश्वर साह भी रहता था। शूटर उमेश की निशानदेही पर पुलिस गन सप्लायर विकास से पूछताछ करने पटना सिटी के मालसलामी इलाके में पहुंची थी। इसी दौरान विकास ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे ढेर कर दिया। एनकाउंटर मंगलवार तड़के 4 बजे हुआ।

केरल हाईकोर्ट से लाइबेरियाई जहाज की जब्ती का आदेश

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को लाइबेरियाई जहाज एमएससी अकीकेता 2 को जब्त करने का आदेश दिया। यह शिप लाइबेरियाई जहाज स्स्ष्ट एल्सा 3 का सहयोगी था, जो 25 मई को कोच्चि के तट पर डूब गया था। दोनों जहाज एमएससी मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के हैं। एमएससी एल्सा 3 डूबने से हुए पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान पर केरल सरकार ने 9531 करोड़ रुपए के मुआवजे की याचिका लगाई थी। साथ ही सहयोगी जहाज के भारत से बाहर जाने की आशंका जताते हुए जहाज जब्त करने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि शिपिंग कंपनी जब तक मुआवजे की रकम जमा नहीं कर देती तब तक स्स्ष्ट अकीकेता 2 को जब्त रखा जाए। मामला सुलझने तक जहाज भारत से बाहर नहीं जा सकेगा। केरल सरकार के मुताबिक जहाज डूबने के बाद निकले जहरीले पदार्थों की वजह से डॉल्फिन और व्हेल समेत कई समुद्री जीवों की मौत हुई। इस पर सरकार ने एडमिरल्टी (समुद्री दावों का अधिकार क्षेत्र और निपटान) एक्ट की धारा 4 के तहत मुआवजे की मांग की। इसमें पॉल्यूशन के लिए ?8626 करोड़, पर्यावरण के लिए ?378.48 करोड़ और मछुआरों को हुए ?526.51 करोड़ का नुकसान शामिल है। ब्याज समेत मुआवजे की पूरी राशि ?9,531.11 करोड़ है। कोर्ट ने अडानी विझिनजाम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को जहाज जब्त करने और उसकी सुरक्षा के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह आदेश माल की लोडिंग या अनलोडिंग में दखल नहीं करेगा। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।

मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को

भोपाल (एजेंसी)। आठ नगरीय निकायों में आज एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन के लिये मतदान संपन्न हुआ। शाम 5 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 69.68 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 73.01 प्रतिशत पुरूष और 66.36 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को सुबह 9 बजे से होगी। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि भोपाल जिले के नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7 में 65.8, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11 में 57.1, इंदौर जिले के नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7 में 77.2 और गौतमपुरा के वार्ड 15 में 85.9, मंडला जिले के बिछिया के वार्ड 13 में 80.4, शहडोल जिले के खांड के वार्ड 8 में 63.5, छिंदवाड़ा जिले के न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में 82.6 और खरगोन जिले के नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में 68.1 प्रतिशत मतदान हुआ। पन्ना जिले के ककरहटी के वार्ड 13 में निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।

एमसीयू में साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम किए जाएं शुरू

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त

जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एसी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पी.एचडी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पी. एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई।

11 जुलाई को इंदौर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में रीयल एस्टेट की गतिविधियों के विस्तार के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। नेक?स्ट होराइजन॰ बिल्डिंग सिटीज़ ऑफ टुमारो थीम पर आधारित यह कॉन्क्लेव राज्य के शहरी विकास और निवेश के लिये नए क्षितिज खोलने का माध्यम बनेगा। %उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025% के अंतर्गत इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की नगरीय अधोसंरचना को भविष्योन्मुखी बनाना, सतत विकास को गति देना और व्यापक निवेश आकर्षित करना है। मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिये यहां से आसानी से देश भर से लॉजिस्टिक संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में तेज गति से होता शहरीकरण, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में सशक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। राज्य में सस्ती भूमि और श्रम, सरल प्रशासनिक प्रक्रियाएं हैं और उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियाँ लागू की गई हैं। मध्यप्रदेश में केन्द सरकार की प्रधानमंत्री गति-शक्ति, अमृत 2.0 और स्मार्ट-सिटी जैसी योजनाओं से प्रदेश में समावेशी विकास हो रहा है।

प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना, स्मार्ट सिटी के तहत इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स, इंडस्ट्रियल टॉउनशिप्स, न्यू टॉउन डेवलपमेंट प्लान, नगरीय निकायों में आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स और स्ट्रीट वेंडिंग जोन, शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण जैसी परियोजनाएं चल रही हैं और कुछ भविष्य के लिए प्रस्तावित हैं। मध्यप्रदेश उद्योग विकास निगम उद्योगों को वन-स्टॉप सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

यूनिसेफ के सहयोग से सांदीपनि विद्यालयों में चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये। विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस के तहत किसी एक डोमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है। इस प्रक्रिया से विद्यार्थी कॅरियर के प्रति रूचि लेकर स्वयं कार्ड पढ़कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय में एक कॅरियर कार्नर बनाया जाये जिसमें कॅरियर संबंधी सामग्री, कॅरियर कार्ड, पोस्टर, ब्रोशर और विद्यार्थी द्वारा बनाई गई सामग्री प्रदर्शित की जाये।

पौधरोपण में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत एक बगिया मां के नाम परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं। एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला

हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा। एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे।

परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्?ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

जल संरक्षण के लिये ठोस प्रयास आवश्यक

भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि हमें जल, भूमि संरक्षण के लिये अभी से ठोस प्रयास करने होंगे। जल स्त्रोतों के रिचार्जिंग सिस्टम को बढ़ाना होगा। फसलों का चक्रीकरण और पौधरोपण में वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना होगा। मंत्री श्री पटेल सोमवार को राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में चिंता करते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण जल स्त्रोतों के रिचार्जिंग सिस्टम धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। नदियों के उद्गम स्थलों का संरक्षण नहीं करने के कारण उनके स्त्रोत सूखते जा रहे हैं। मरूस्थलीकरण की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव पीएचई

श्री पी. नरहरि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राजीव गांधी जल संग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन के अंतर्गत विभिन्न विभागों से मिशन के परिणामों की जानकारी प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत सभी परियोजनाओं का थीमेटिव विश्लेषण किया जाये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वॉटर शेड परियोजनाओं के बेहतर परिणामों के लिये एनजीओ को संबद्ध करने की नीति तैयार की जाये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की प्रगति का आंकलन जमीनी स्तर पर करें। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वॉटर शेड परियोजनाओं के अंतर्गत क्लस्टर आधारित सब्जी उत्पादन का कार्य अच्छा करने वाले जिलों का स्वयं भ्रमण करेंगे। इस अवसर पर चंदेला-बुंदेला तालाबों का जीर्णोद्धार कार्यशाला प्रतिवेदन की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। मिशन संचालक श्री अवि प्रसाद ने बैठक में साधारण सभा के समक्ष विभिन्न एजेंडा प्रस्तुत किये। उन्होंने पीएमकेएसवाय 2.0 की प्रगति, वॉटर शेड परियोजनाओं का सोशल ऑडिट, परियोजना के प्रभावों का विश्लेषण, मिशन के संस्थागत सुदृढ़ीकरण, जीआईएस एवं एआई सुविधा विकसित करने आदि विषयों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिशन के तहत वॉटर शेड परियोजनाओं के निरीक्षण के लिये एरिया ऑफिसर मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा रहा है।

निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु एक व्यापक कार्ययोजना के अंतर्गत 5 जुलाई 2025 को सात मुख्य अभियंताओं की टीमों ने हरदा, जबलपुर, गुना, खंडवा, सतना, शाजापुर एवं निवाड़ी जिलों में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के लिए कुल 34 निर्माण कार्यों को रैंडम आधार पर चयनित किया गया। इनमें 14 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 11 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, 2 कार्य म.प्र. भवन विकास निगम तथा 1 कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग का शामिल था। निरीक्षण के बाद प्रतिवेदन की समीक्षा श्री आर.के. मेहरा, तकनीकी सलाहकार, म.प्र. सड़क विकास निगम की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। बैठक में प्रमुख अभियंता श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल, श्री अनिल श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता श्री ए.आर. सिंह सहित अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनुसार जबलपुर जिले के अमझर-लोहकारी-पढवार मार्ग (परफॉर्मेंस गारंटी अंतर्गत) का कार्य उत्कृष्ट पाया गया, जिसके लिए कार्यपालन यंत्री श्री शिवेन्द्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी श्री अतुल चौकसे एवं ठेकेदार मेसर्स अतुल खरे की सराहना की गई। इसी प्रकार, खंडवा जिले में सीएम राइज स्कूल भवन तथा निवाड़ी जिले में सीएमएचओ कार्यालय एवं 100 बिस्तरीय अस्पताल भवन का निर्माण कार्य भी संतोषजनक पाया गया। रीवा संभाग में रीवा-बनकुईया-सेमरिया मार्ग का कार्य अच्छा पाया गया।

आशापुर-हरदा मार्ग पर पेच रिपेयर कार्य प्रगति पर है, जिसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सीधी-सिंगरौली मार्ग पर आवश्यक सुधार कार्य प्रारंभ हैं। जबलपुर-नरसिंहपुर-पिपरिया मार्ग पर भी पेच रिपेयर की आवश्यकता बताई गई है, जिसे लेकर संभागीय प्रबंधक को निर्देशित किया गया है। समीक्षा में यह भी निर्देशित किया गया कि समस्त भवनों के एक्सपेंशन जॉइंट्स का संधारण कार्य प्राथमिकता से कराया जाए, जिसके लिए प्रमुख अभियंता (भवन) को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के लिए कहा गया। सतना जिले के छिंदा-शिवपुर-सेमरी मार्ग पर निर्माणाधीन पुल की फिनिशिंग कार्य में कमियां पाई गईं। इसके लिए संबंधित कार्यपालन यंत्री को स्पष्टीकरण पत्र जारी करने हेतु निर्देश दिए गए। सभी अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि वे औचक निरीक्षण अथवा अन्य अवसरों पर सड़कों की स्थिति, पॉटहोल्स या अन्य आवश्यक सुधार कार्यों से संबंधित जानकारी लोकपथ मोबाइल ऐप में अनिवार्य रूप से दर्ज करें, जिससे समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

यह पूरी कार्यवाही विभाग द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त पहल मानी जा रही है।

3 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिलनी शुरू हो गई है।

कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 3 लाख, 3 हजार 305 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में एक लाख, 62 हजार 320 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं। नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। जून माह का बिल जो कि जुलाई माह में जारी हुआ है, उसमें दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई विद्युत के दौरान बनी यूनिट पर छूट अलग कॉलम में अंकित की गई है।

रिटायर्ड आबकारी के उपायुक्त को 4 साल की सजा

भोपाल (एजेंसी)। न्यायालय ने आबकारी विभाग के रिटायर्ड आबकारी उपायुक्त विनोद रघुवंशी को 4 साल की सजा सुनाई है। अन्य आरोपी आबकारी विभाग के रिटायर्ड क्लर्क ओपी शर्मा को 2 साल की सजा सुनाई है। केस में फरियादी अजय अरोरा ने आरोपियों को? खिलाफ प्राइवेट कंप्लेंट दायर की थी। 5 मार्च 2002 को अजय अरोरा ने अशोक ट्रेडर्स फर्म में हिस्सेदारी ली थी और पार्टनरशिप डीड तैयार हुई थी। वह 18 प्रतिशत के हिस्सेदार थे। 6 मार्च 2022 को फर्म ने आबकारी के ठेके की ?नीलामी में हिस्सा लिया। आबकारी ने ठेके की नीलामी स्वीकार कर फर्म को ठेका आवंटित कर दिया। इससे फर्म को शराब के व्यवसाय का लाइसेंस मिल गया। लेकिन, आरोपी विनोद रघुवंशी और ओपी शर्मा ने धोखाधड़ी कर 6 मार्च 2003 की नकली पार्टनरशिप डीड तैयार कर दी और अजय अरोरा को फर्म की हिस्सेदारी से बाहर कर दिया। आरोपियों ने फर्म के अन्य पार्टनर को फायदा पहुंचाने के? लिए 6 मार्च से 11 मार्च 2003 के बीच भोपाल आबकारी कार्यालय के रिकॉर्ड में अजय का नाम हटाकर नकली पार्टनरशिप डीड लगा दी थी।

संक्षिप्त समाचार

वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025 में मारुति सुजुकी की वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब हासिल किया है। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में कंपनी ने वैगनआर सीएनजी की कुल 1,02,128 यूनिट्स की बिक्री की है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और बेहतर माइलेज की चाहत के चलते ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में सीएनजी वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। मारुति की ही इर्टिगा सीएनजी इस दौरान सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी कार रही, लेकिन वैगनआर ने हैचबैक सेगमेंट में सबसे अधिक ग्राहक बटोरे। वैगनआर को इसकी किफायती कीमत, शानदार माइलेज और बेहतर फीचर्स के लिए जाना जाता है। इसमें 1.0 लीटर और 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन विकल्प मिलते हैं, जिसमें सीएनजी वेरिएंट भी उपलब्ध है। कार का दावा है कि सीएनजी पर यह 34 किमी प्रति किलोग्राम तक का माइलेज दे सकती है। इसके अलावा वैगनआर में 7-इंच टचस्क्रीन, 4-स्पीकर म्यूजिक सिस्टम, स्टेयरिंग माउंटेड कंट्रोल और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 5.79 लाख रुपये से शुरू होकर 7.62 लाख रुपये तक जाती है।

वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद जोकोविच ने खींची फेडरर की टांग

मुम्बई एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए 7 जुलाई को लंदन के सेंटर कोर्ट में 11वें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलेक्स डि मिनोर को चार सेट में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइन में जगह बना ली है। आठ बार के विंबलडन चैंपियन रोजर फेडरर भी सात बार के विंबलडन विजेता जोकोविच के इस मुकाबले दो देखने आए थे। वहीं मैच खत्म होने के बाद जोकोविच ने फेडरर की मौजूदगी को सराहा और उन पर चुटकी भी ली। जोकोविच ने कहा कि, मिनोर के खिलाफ एक मुश्किल मैच था। कई चुनौती भले पल गुजरे इस मुकाबले में। कभी-कभी मुझे लगता है कि काश मेरे पास उतना अच्छा सर्व या फिर वॉली होती, जो दर्शक दीर्घा में बैठे उस महान शख्स के पास है तो मेरी कुछ मदद हो जाती। जोकोविच की इस बात पर फेडरर हंस पड़े। इसके बाद होस्ट ने पूछा कि फेडरर के सामने प्रदर्शन कर उन्हें कैसा महसूस हो रहा है? इस पर जोकोविच ने फेडरर की टांग खींचते हुए कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो ये पहली बार है जब उनके दर्शक दीर्घा में रहने के बावजूद मैं जीता हूं। इससे पहले कुछ मैं हार गया था। तो श्राप का टूटना अच्छा है। फेडरर को यहां देखकर काफी अच्छा लगा है। वह एक चैंपियन खिलाड़ी रहे हैं। और मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। हमने काफी समय तक एक-दूसरे के खिलाफ खेला है।

उन्हें उनके सबसे पसंदीदा और सबसे कामयाब टूर्नामेंट में

शेयर बाजार मे रही गिरावट

मुम्बई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के साथ बिकवाली हावी रहने से आई है। भारत और अमेरिका के बीच छोटे कारोबारी करार और जून तिमाही का परिणाम सत्र शुरू होने से पहले ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपना लिया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज सुबह 90 अंक के करीब नीचे आकर 83,625.89 अंक पर खुला। सुबह यह 114.39 अंक करीब 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 83,598.12 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी हल्की गिरावट के साथ 25,514.60 अंक पर खुला। सुबह यह 25.85 अंक तकरीबन 0.10 फीसदी टूटकर 25,496 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की टैरिफ योजना, चीन के जून मुद्रास्फीति आंकड़े, विदेशी निवेशकों का रुख, प्राइमेरी मार्केट की गतिविधि और वैश्विक बाजारों के संकेत आज बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी की दिशा तय करेंगे।अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के 1 अगस्त की टैरिफ समयसीमा को आगे नहीं बढ़ाये जाने के बयान के बाद ही एशियाई बाजारों में दबाव पड़ा जिससे इनमें मिला-जुला कारोबार हुआ। ट्रंप ने अपने एक बयान में तांबे के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ विशेष क्षेत्रों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह चेतावनी दी कि अमेरिका को निर्यात की जाने वाली दवाओं पर अगले 12 से 18 महीनों में 200 फीसदी तक शुल्क लगाया जा सकता है। वहीं जापान का निक्केई इंडेक्स 0.18 फीसदी ऊपर आया जबकि टोपिक्स इंडेक्स में 0.19 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी 0.19 फीसदी ऊपर आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.59 फीसदी गिरा। निवेशक अब चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रख रहे हैं। इसमें जून महीने की महंगाई और उत्पादक मूल्य शामिल है।

जून में चीन की उपभोक्ता महंगाई 0.10 फीसदी रही, जबकि मई में यह 0.10 फीसदी की गिरावट पर थी। हालांकि, उत्पादक कीमतों में सालाना आधार पर 3.6 फीसदी की गिरावट आई, जो अनुमानित 3.2 फीसदी से ज्यादा और मई की 3.3 फीसदी गिरावट से भी गहरी रही। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट में बाजार स्थिर बने रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.07 फीसदी नीचे आकर 6,225.52 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.03 फीसदी ऊपर आकर 20,418.46 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 44,240.76 पर बंद हुआ।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत कमजोर रही। घरेलू बाजार में आज सोना 96,200 रुपये जबकि चांदी 1,07,800 रुपये के करीब रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई हालांकि बाद में इसमें गिरावट आने लगी। इसके अलावा सोना भी गिरावट के साथ ही खुला। सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 279 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,193 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 96,472 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 294 रुपये की गिरावट के साथ ही 96,178 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 96,257 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,157 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 96 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,889 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,985 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 165 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 1,07,938 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,07,800 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। कॉमेक्स पर सोना 3,310.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,316.90 डॉलर प्रति औंस था। सुबह यह 16.80 डॉलर की गिरावट के साथ ही 3,300.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला। वहीं सोने के वायदा भाव इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.93 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.74 डॉलर था।

वोक्स का विकल्प तलाशे टीम - बॉयकॉट

क्रॉली अब सीख नहीं सकते

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने कहा है कि तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स का सर्वश्रेष्ठ दौर बीत गया है और टीम को इनसे आगे बढ़ने की जरुर है। वोक्स अब तक दोनो ही मैचों में विफल रहे हैं। बॉयकॉट के अनुसार टीम को अब उनका विकल्प तलाशना चाहिये। वहीं जैक क्रोली को लेकर कहा कि ये सलामी बल्लेबाज अपनी गलतियों से सीखना नहीं चाहता है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने कहा, 'जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से विपरीत प्रभाव पड़ता है। वोक्स की उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है पर उनका मुख्य काम गेंदबाजी कर विकट लेना है जिसमें वह विफल हो रहे हैं। क्रॉली को लेकर बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज अब अधिक बेहतर नहीं हो सकता। क्रॉली ने भारत के खिलाफ अब तक चार पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाया है। बॉयकॉट ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह ओर अवसर मिलने पर बदल सकते हैं या बेहतर हो सकते हैं। बल्लेबाजी दिमाग में होती है और दिमाग ही तय करता है कि आप बल्लेबाजी कैसे करेंगे, आप कौन से शॉट खेलने की कोशिश करेंगे, कौन सी गेंदें छोड़ेंगे। उनकी तकनीक और सोच में काफी कमी है जिससे ठीक करना संभव नहीं है।

कोहनी में चोट और शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

मुम्बई एजेंसी। दुनिया के नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर दो सेट गंवाने और कोहनी में चोट के बावजूद विंबलडन 2025 के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे। सिनर ने 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव को हराया है। हालांकि, वर्ल्ड के 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने सिनर के खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया। बता दें कि, 34 वर्षीय दिमित्रोव का ये लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंच हैं जिसे वो पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओफन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी कोहनी में चोट आई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। सिनर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अमेरिका के बेन शेल्टन से भिड़ेंगे। इस बीच महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीर एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

घरेलू वेज थाली जून में 8 प्रतिशत सस्ती हुई

आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने का असर, नॉन-वेज थाली भी 6 प्रतिशत सस्ती हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत जून में (सालाना आधार पर) 8 प्रतिशत घटकर 27.10 रुपए हो गई है। पिछले साल जून 2024 में वेज थाली की कीमत 29.40 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत मई की तुलना में जून में 3 प्रतिशत बढ़ी है। मई में वेज थाली की कीमत 26.20 रुपए थी।

नॉन-वेज थाली भी 6 प्रतिशत सस्ती हुई- वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत जून में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत घटकर 54.80 रुपए हो गई है। पिछले साल जून-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 58 रुपए थी। मंथली बेसिस पर यानी मई की तुलना में जून में नॉन-वेज थाली की कीमत 4 प्रतिशत बढ़ी है। मई में नॉन-वेज थाली की कीमत 52.60 रुपए थी।

आलू, प्याज और टमाटर हुए सस्ते- क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट में कमी हुई है। टमाटर की कीमत सालाना आधार पर 24 प्रतिशत घटकर 32 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। प्याज के दाम में 27 प्रतिशत और आलू के भाव में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस कारण वेज थाली की कीमत में गिरावट हुई है। वेज थाली की कॉस्ट में आलू और टमाटर की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है। नॉन वेज थाली की कीमत में ये कमी ब्रॉयलर्स यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 3 प्रतिशत की गिरावट के चलते आई है। नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है। वहीं, सालाना आधार पर वेजिटेबल ऑयल की कीमत 19 प्रतिशत और एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 6 प्रतिशत बढ़ी है, नहीं तो दोनों थाली और भी सस्ती हो सकती थी।

तीसरे टेस्ट में आर्चर को शामिल करे इंग्लैंड - एंडरसन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का मानना है कि इंग्लैंड को अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को जरुर शामिल करना चाहिये। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। एंडरसन के अनुसार आर्चर ने फिटनेस कारणों से चार साल से अधिक समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है पर उनकी गेंदबाजी में काफी विविधता है और वह मुकाबले में अंतर पैदा कर सके हैं। हाल में उन्होंने ससेक्स की ओर से प्रथम श्रेणी स्तर क्रिकेट में सभी को प्रभावित किया था। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम के गेंदबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये थे जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। एंडरसन ने कहा, आर्चर ने ससेक्स के लिए एक मैच खेला; वह एजबेस्टन में टीम के साथ थे और थोड़ी गेंदबाजी भी की। मुझे लगता है कि आपको उन्हें खिलाना ही होगा क्योंकि तीसरा टेस्ट बेहद अहम है। दूसरी ओर इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने माना है कि आर्चर फिट है और चयन के लिए उपलब्ध है पर उनका खेलना तय नहीं है। उन्होंने कहा, जोफ्रा फिट दिख रहे हैं, वे मजबूत दिख रहे हैं, वे खेलने के लिए तैयार दिख रहे हैं और वे सभी की नजर में आएंगे। यह बेहद रोमांचक है। वे भी खेलने को लेकर उत्साहित हैं। वे अपनी चोटों और टेस्ट क्रिकेट से बाहर रहने के दौर से गुजरे हैं। हम सभी जानते हैं कि वे टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं और हमें उम्मीद है कि जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे अपनी पुरानी उपलब्धियों को फिर से दोहरा पाएंगे और खेल के उस रूप में जो उन्होंने पहले से किया है, उसमें सुधार भी कर पाएंगे। आर्चर के रुप में एक बदलाव ही संभावित नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और बैक-अप बल्लेबाज जैकब बेथेल भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले की दौड़ में हैं पर उनकी दावेदारी कमजोर है। बेथेल ने केवल तीन टेस्ट मैच खेले हैं जबकि एटकिंसन मई में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद से से ही बाहर हैं। बेथेल के शामिल होने से इंग्लैंड को एक और मौका मिलेगा। एक और स्पिन विकल्प के साथ मैकुलम ने कहा कि वह पहली पसंद के स्पिनर शोएब बशीर की जगह अंतिम ग्यारह में नहीं रहेंगे। मैकुलम ने बेथेल के बारे में कहा, वह एक बल्लेबाजी विकल्प है। अगर कुछ होता है तो वह अगला खिलाड़ी है।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु भाकर की नजरें

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी!

पंड्या इस कारण नहीं खेलते टेस्ट क्रिकेट

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और वह केवल सीमित ओवरों (एकदिवसीय ओर टी20) प्रारुप के लिए भी उपलब्ध होते है। पंड्या ने अंतिम बार साल 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं साल 2021 में पंड्या ने टेस्ट टीम में वापसी की थी पर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2021 टी20 विश्व कप के बाद, पंड्या ने खेल से ब्रेक लिया और आईपीएल 2022 में वापसी की। पंड्या ने करियर में भारत के लिए 11 मैचों की 18 पारियों में कुल 532 रन बनाए हैं।

इसके अलावा 19 पारियों में गेंदबाज करते हुए उन्होंने 17 विकेट लिए हैं। उनके टेस्ट मैच न खेलने का मुख्य कारण फिटनेस है। वह अपने करियर में चोटों से काफी परेशान रहे हैं। उन्हें कई बार चोट का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वह अपने करियर को लंबा बनाये रखने टेस्ट से दूरी बनाये हुए हैं। उनके पीठ का दर्द उनके टेस्ट क्रिकेट न खेलने के पीछे के कारणों में से एक है। पंड्या ने भी एक बार कहा था कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलकर अपनी पीठ को जोखिम में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मैं खुद को एक बैक-अप सीमर मानता हूं। पीठ की सर्जरी के बाद मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना परेशानी खड़ी कर सकता है हालांकि अगर वह केवल टेस्ट ही खेलते और सीमित ओवरों के लिए उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वे टेस्ट खेल सकते थे।

लॉर्ड्स में शतक लगा पायेंगे शुभमन?

अब तक 10 भारतीय बल्लेबाज ही यहां लगा पाये हैं शतक

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा क्रिकेट टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में बढ़त हासिल करना चाहेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में ये मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित मैदान पर टेस्ट शतक जड़ने का सपना हर बल्लेबाज का होता है और हर गेंदबाज भी इस मैदान पर पांच विकेट लेना चाहता है। इसका कारण ये है कि ऐसे खिलाड़ियों का नाम परंपरा के मुताबिक यहां के ऑनर्स बोर्ड में शामिल किया जाता है। इस सीरीज में अब तक शुभमन ने एक दोहरे शतक के साथ ही सहित तीन शतक लगा दिये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य यहां भी शतक लगाना रहेगा अब देखना है कि वह सफल होते हैं या नहीं। शुभमन ने पहले और दूसरे दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं जिससे प्रशंसक उनसे यहां भी शतक की उम्मीद करेंगे हालांकि ये आसान नहीं हं। लॉर्ड्स क्रिकेट में अब तक केवल वीनू मांकड़, दिलीप वेंगसरकर सहित 10 भारतीय बल्लेबाज ही शतक लगा पाये है पर इनमें सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली शामिल नहीं हैं। इसके अलावा सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा तक यहां शतक नहीं लगा पाये हैं।

वीनू मांकड़ लॉर्ड्स में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने जून 1952 में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार 184 रन बनाए थे। यह लॉर्ड्स में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं वेंगसरकर ने लॉर्ड्स के मैदान पर तीन शतक लगाये और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र देशी बल्लेबाज हैं। वेंगसरकर ने इस मैदान पर अपना पहला शतक अगस्त 1979 में लगाया था। तब उन्होंने 295 गेंदों पर 103 रन बनाए थे। फिर जून 1982 में वेंगसरकर ने 264 गेंदों पर 157 रन बनाये। वेंगसरकर ने लॉर्ड्स में अपना तीसरा एवं आखिरी शतक जून 1986 में लगाया था। तब उन्होंने 213 गेंदों पर नाबाद 126 रनों की पारी खेली थी। गुंडप्पा विश्वनाथ ने अगस्त 1979 में लॉर्ड्स में 113 रनों बनाये थे। वहीं रवि शास्त्री ने जुलाई 1990 में यहां 100 रन बनाए थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने जुलाई 1990 में इस मैदान पर 121 रन बनाये जबकि सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के अपने पहले दौरे में ही लॉर्ड्स मे शतक लगाया। गांगुली ने जून 1996 में लॉर्ड्स के मैदान पर 131 रन बनाये थे।

ऑलराउंडर अजीत अगरकर ने जुलाई 2002 में लॉर्ड्स में शतक लगाया। उनके नाम यहां 109 रन हैं। राहुल द्रविड़ ने भी यहां 2011 में 103 रन बनाए थे। अजिंक्य रहाणे के नाम भी इस मैदान में शतक है। रहाणे ने जुलाई 2014 में इस ऐतिहासिक मैदान पर 154 गेंदों पर 103 रन बनाए थे। केएल राहुल ने भी इस मैदान पर 129 रनों बनाये हैं। इसके बाद से ही कोई भी भारतीय बल्लेबाज यहां शतक नहीं लगा पाया है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट के नाम इस मैदान पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक हैं। रूट ने इस मैदान पर 22 टेस्ट मैचों में 7 शतक जड़े हैं। इसके बाद इंग्लैंड के ही ग्राहम गूच और माइकल वॉन ने छह-छह टेस्ट शतक लगाए हैं।

कोरबा में मिली थी अधजली लाश; एम्बुलेंस नहीं मिली, पुलिस ने नगर पालिका की गाड़ी बुलाई

महिला के शव को कचरा गाड़ी से अस्पताल भेजा

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक महिला की अधजली लाश उसके घर के पीछे मिली। इस दौरान जांच के लिए पहुंची पुलिस का अमानवीय चेहरा देखने को मिला। एम्बुलेंस या शव वाहन नहीं मिली तो पुलिस ने नगर पालिका की कचरा गाड़ी बुलाई। फिर प्लास्टिक से लपेटकर शव को कचरा गाड़ी में रखवाया।

कचरा गाड़ी ही महिला की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना का वीडियो वायरल हो गया। मामला बाकीमोंगरा थाना क्षेत्र का है। वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने एएसआई पृथ्वीराज मोहंती को निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम को सोमवारी बाजार के पास कॉलोनी में एक महिला की अधजली लाश मिली थी। सूचना मिलने पर बाकीमोंगरा पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची।

घर में अकेली रहती थी महिला: पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि महिला का नाम गीता विश्वास (65 वर्ष) है। वह एसईसीएल कॉलोनी स्थित घर में अकेली रहती थी। उसका एक बेटा है, जिसे उसके पति अहिन्दर विश्वास की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति के तहत नौकरी मिली है। पुलिस की शुरुआती जांच में यह माना जा रहा है कि महिला ने आत्महत्या की कोशिश की होगी, लेकिन असली कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगा। घटना के समय महिला का बेटा घर पर नहीं था।

शव को कचरा गाड़ी ले जाया गया: वहीं, जब शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाना था, जब पुलिस के पास डेडबॉडी को ले जाने के लिए एम्बुलेंस या शव वाहन नहीं था। तब पुलिस ने बाकीमोंगरा नगर पालिका की कचरा गाड़ी को बुलाकर उसमें शव को लपेटकर अस्पताल भेजा।

घटना का वीडियो वायरल: यह देख लोग हैरान रह गए। वहीं इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि नगर पालिका के कर्मचारी महिला के शव को प्लास्टिक में लपेटकर उसे कचरा गाड़ी में रख रहे हैं।

एसपी ने एएसआई को किया सस्पेंड: वीडियो वायरल होने के बाद कोरबा के एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने घटना में लापरवाही करने वाले एएसआई को सस्पेंड कर दिया है। घटना में अन्य दोषियों की पहचान के लिए जांच जारी है।

हेड-कॉन्स्टेबल ने ड्राइवर-कंडक्टर को बेसबाल से पीटा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में एक हेड-कॉन्स्टेबल ने हाईवा ड्राइवर और कंडक्टर को नीचे उतार कर बेरहमी से पिटाई कर दी। जिससे कंडक्टर को गंभीर चोटें आई है। इधर, पुलिस का कहना है कि हाईवा ड्राइवर रेस ड्राइविंग कर रहा था। जिसके चलते यह मारपीट हुई है। पुलिस ने मामले में अज्ञात वर्दीधारी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी पहचान कर ली है।

दरअसल, बेमेतरा जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चाकापेंड्रा निवासी दिनेश कुमार डहरिया (36) हाईवा ड्राइवर है। पिछले 5 जुलाई वो अपने कंडक्टर विष्णु बंजारे के साथ हाईवा लेकर रायगढ़ जाने के लिए निकला था।रात करीब 10.30 बजे तखतपुर से निकल रहा था। उसी समय बिलासपुर की ओर से एक वर्दीधारी कार चालक उसकी गाड़ी को क्रॉस करने के बाद अपनी कार मोड़कर आया। उसने हाईवा के सामने कार अड़ा कर उसे रोक दिया।

इस दौरान वर्दीधारी पुलिसकर्मी ने गाली-गलौज करते हुए बेसबाल निकाला और हाईवा के सामने शीशे को तोड़ दिया। गाड़ी से बाहर उतारा और नाम पता पूछने के बाद बेसबाल से पिटाई करने लगा। ड्राइवर ने उसे अपना नाम बताया और गाड़ी आगे बढ़ाने लगा। जब ड्राइवर ने गाड़ी आगे बढ़ाई तो वो कार से पीछा कर ममता ढाबा के पास आया। जिसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर को हाईवा से उतार कर बेसबाल और हाथ-मुक्का-लात से बेरहमी से पिटाई कर दी। जिससे कंडक्टर के कूल्हे, पीठ, जांघ, बांए आंख के पास, पीठ में चोट लगी है।

इस घटना के बाद ड्राइवर थाने पहुंचा और पुलिस से शिकायत की। जिस पर पुलिस ने अज्ञात पुलिस वाले के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इधर, तखतपुर टीआई अनिल अग्रवाल का कहना है कि, ड्राइवर और हेल्पर शराब के नशे में थे। चालक तेज रफ्तार गाड़ी चलाकर राहगीरों को ठोकर मारने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें रोकने पर वो रॉड निकालकर धमकी देते हुए मारपीट कर रहे थे। जिससे नाराज लोगों ने उन्हें रोककर पिटाई कर दी। मामले में चालक और ड्राइवर पर केस दर्ज किया गया है।वहीं, एडिशनल एसपी ग्रामीण अर्चना झा ने बताया कि, हाईवा चालक को तेज रफ्तार गाड़ी चलाने से मना किया गया। इसी दौरान सिविल लाइन थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल विकास सेंगर के साथ उनका झगड़ा हुआ। जिसके बाद मारपीट हुई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

इस मामले में दोषी पुलिस वाले के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर परेशान हाईवा चालक बुधवार को अपनी शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंचा।

छत्तीसगढ़ी गाने पर झूमे सीएम, मंत्री और विधायक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने बड़े कार्यक्रम किए, लेकिन इन कार्यक्रमों के दौरान मंच से छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर गायब रही। वहीं, मैनपाट में छत्तीसगढ़ी गाने और मांदर की थाप पर सीएम साय और मंत्री डांस करते नजर आए।

जबकि कांग्रेस के कार्यक्रम में एंट्री को लेकर धक्का-मुक्की हो गई। जिस पर फूलोदेवी नेताम ने सिक्योरिटी पर नाराजगी जताई। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इन कार्यक्रमों को लेकर बीजेपी और कांग्रेस एक-दूसरे पर तंज कस रहे हैं।

दरअसल, कांग्रेस ने 7 जुलाई को रायपुर में किसान जवान संविधान जनसभा का आयोजन किया था। वहीं, 7 से 9 जुलाई तक मैनपाट में बीजेपी प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम हुआ। इन दोनों की कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो गायब थी। जबकि चुनाव के दौरान दोनों ही पार्टियों ने अपने बैनर-पोस्टर और सभा में छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर लगाई थी।

7 जुलाई को रायपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद जब नेता साइंस कॉलेज से राजीव भवन पहुंचे, तो गेट पर रोके जाने से कार्यकर्ताओं में नाराजगी दिखी। कुछ कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नेताओं को अंदर जाने से रोका जा रहा है।

वायरल वीडियो में एक कार्यकर्ता गेट पर खड़े लोगों से कहता दिखा कि, दादागिरी कर रहे हो क्या? धक्का-मुक्की के बीच एक महिला कार्यकर्ता असहज हो गई।

इस बैठक के बाद जब महिला कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम बाहर निकल रहीं थीं, तभी पीछे से किसी का धक्का लग गया। नेताम ने तत्काल नाराजगी जाहिर की और मौके पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड्स को फटकार लगाई। फूलोदेवी नेताम की प्रतिक्रिया का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मैनपाट में भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को लेकर भूपेश बघेल ने तंज कसा है। सोशल मीडिया पोस्ट पर बघेल ने लिखा कि महाराष्ट्र चुनाव में एक महासचिव को 5 करोड़ कैश बांटते पकड़ा गया, वही अब छत्तीसगढ़ में प्रशिक्षण देने आए हैं। भ्रष्टाचार ही भाजपा का प्रशिक्षण एजेंडा है।

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर के समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का मैनपाट दौरा प्रस्तावित था, लेकिन ऐन वक्त पर दौरा रद्द हो गया। कांग्रेस ने कहा कि, दाल में कुछ काला नहीं, पूरी दाल ही काली है। कांग्रेस ने यह भी सवाल उठाया कि राज्यपाल रमन डेका ने गृहमंत्री को क्या ऐसा फीडबैक दिया कि उन्होंने छत्तीसगढ़ का दौरा रद्द कर दिया ?

बीजेपी के प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन 8 जुलाई को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गले में मांदर डालकर जमकर थिरके। मुख्यमंत्री के साथ अन्य मंत्री और विधायक भी प्रशिक्षण शिविर में झूमने नाचते नजर आए। वहीं मंच पर विधायक अनुज शर्मा ने छत्तीसगढ़ी गाने गाए। जिस पर भाजपा नेताओं ने डांस किया।

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में सांसदों, विधायकों के मोबाइल भी जमा करा लिए गए थे। इसे लेकर भी कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट करते हुए तंज कसा है।

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में सांसदों, विधायकों के मोबाइल भी जमा करा लिए गए थे। इसे लेकर भी कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट करते हुए तंज कसा है।

कांग्रेस के एक के बाद एक पोस्ट के बाद छत्तीसगढ़ भाजपा ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा है। 7 जुलाई को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़के की रायपुर में जनसभा हुई थी। जिस पर बीजेपी ने लिखा है कि, रागा के सनातन विरोधी नीति पर चलते खरगे।

दीपक बैज बोले- मैनपाट में सरकार ने पिकनिक मनाई

प्रदेश में किसान और जनता बेहाल, स्कूलों में शिक्षक - किताबें नहीं, इनकी मस्ती की पाठशाला चल रही

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सरगुजा के मैनपाट में आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकारी खर्च पर पिकनिक बताया है। उन्होंने राज्य में किसानों की बदहाली, बारिश से जलमग्न बस्तियों और शिक्षा व्यवस्था पर सरकार को घेरा है।

दीपक बैज ने कहा कि, भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में डेढ़ साल के भ्रष्टाचार पर ही चर्चा करनी पड़ी। खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य नेताओं ने राज्य सरकार को नसीहत दी। यह प्रशिक्षण शिविर नहीं बल्कि मस्ती की पाठशाला" थी, जहां पूरी सरकार मौज-मस्ती में लिप्त रही।उन्होंने कहा, जिस सरगुजा संभाग में शिविर हुआ, वहीं खदानों के लिए सरकार जंगल कटवा रही है लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। बैज ने कहा कि, मानसून सक्रिय है, लेकिन सोसाइटियों में अब तक खाद-बीज नहीं पहुंचा है। किसानों को खातू और उर्वरक की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जिससे खरीफ फसलों की बुआई प्रभावित हो रही है। बैज ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर खाद की किल्लत पैदा कर रही है ताकि उत्पादन घटे और उसे समर्थन मूल्य पर कम धान खरीदना पड़े।

उन्होंने कहा कि सरकार अभी तक पिछले साल खरीदे गए धान का सही तरीके से भंडारण और निराकरण नहीं कर पाई है। 30 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान प्रदेश के संग्रहण केंद्रों में खुले में पड़ा है, जो मानसून की बारिश में भीग चुका है। उन्होंने कहा "ये राज्य की जनता के टैक्स से खरीदा गया धान है, जिसे सरकार की लापरवाही बर्बाद कर रही है।"

प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से प्रदेश के कई शहरों की निचली बस्तियां जलमग्न हो चुकी हैं। दीपक बैज ने कहा कि सरकार पूरी तरह मैनपाट में व्यस्त थी, जबकि जनता बारिश का कहर झेल रही थी। कांग्रेस की मांग है कि तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। दीपक बैज ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर भी बैज ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि युक्तियुक्तकरण के चलते एक-एक शिक्षक को पांच-पांच कक्षाएं पढ़ानी पड़ रही हैं। नया शिक्षा सत्र शुरू हुए एक महीना हो गया, लेकिन बच्चों को अब तक पाठ्यपुस्तकें नहीं मिली हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा- "जब शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री के पास है, तब ऐसी दुर्दशा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।"

कसडोल में सांप के काटने से मां-बेटी की मौत

रात में फर्श पर बच्ची संग सो रही थी महिला

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (निप्र)। बलौदाबाजार जिले के कसडोल के ग्राम ठाकुरदीया में सांप के काटने से एक मां और उसकी बेटी की मौत हो गई। बीती रात करीब 4 बजे की यह घटना है। सतवती पारदी (35) और उनकी बेटी देविका (9) घर के फर्श पर सो रही थीं। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने दोनों को काट लिया।

सांप के काटने के बाद दोनों की हालत बिगड़ने लगी। परिजन तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। डॉक्टरों ने दोनों की स्थिति गंभीर बताई। कुछ ही समय में देविका ने सीएचसी में दम तोड़ दिया।

सतवती की हालत और बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान उन्होंने भी प्राण त्याग दिए। एक ही रात में मां-बेटी दोनों की मौत से पूरा गांव शोक में डूब गया है।

धरमू पारदी के परिवार पर यह दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में मातम का माहौल है। इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में सर्प दंश से बचाव और समय पर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता के सवाल खड़े कर दिए हैं।

जिले की सहकारी समितियों में उर्वरक की आपूर्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में खरीफ सीजन प्रारंभ होते ही कृषकों द्वारा खाद एवं बीज की मांग की जा रही है। जिसकी आपूर्ति हेतु जिले की सहकारी समितियों में खाद बीज पर्याप्त भंडारण है। सहकारी समितियों में अब तक यूरिया का भण्डारण 1978.35 मि.टन, डीएपी का भण्डारण 476.55 मि.टन, एनपीके का भण्डारण 1266.05 मि.टन, एसएसपी 253.80 मि.टन, पोटाश 156.85 मि.टन इस प्रकार समस्त उर्वरकों का भण्डारण 4131.60 मि.टन हुआ है। अब तक जिले के कृषकों द्वारा यूरिया 1720.02 मि.टन., डीएपी 399.70 मि.टन, एनपीके 1185.40 मि.टन, एसएसपी 117.70 मि.टन एवं पोटाश 105.25 मि.टन कुल 3528.07 मि.टन उर्वरक का उठाव किया गया है। कृषक की मांग को ध्यान में रखते हुए सहकारी समितियों में नियमित रूप से उर्वरक का भण्डारण किया जा रहा है। विकासखंड भरतपुर के सहकारी समिति सिंगरौली में अब तक यूरिया 54 मि.टन, एनपीके 46 मि.टन, एसएसपी 30 मि.टन, पोटाश 10 मि.टन का भण्डारण किया गया है। आज की स्थिति में समिति में कृषकों के वितरण हेतु यूरिया 0.67 मि.टन, एनपीके 5.75 मि.टन, एसएसपी 14.60 मि.टन एवं पोटास 4.80 मि.टन उपलब्ध है। विकासखण्ड- मनेन्द्रगढ़ के सहकारी समिति चैनपुर में अब तक यूरिया 143.86 मि.टन, डीएपी 46.10 मि.टन, एनपीके 101.15 मि.टन, एसएसपी 29.80 मि.टन, पोटाश 25 मि.टन का भण्डारण किया गया है। आज की स्थिति में समिति में कृषकों के वितरण हेतु यूरिया 3.24 मि.टन, एनपीके 15.15 मि.टन, एसएसपी 2.20 मि.टन एवं पोटाश 9.50 मि.टन उपलब्ध है। उर्वरक के उठाव होने के साथ- साथ भण्डारण की कार्यवाही भी की जा रही है। आने वाले समय में उर्वरक की कमी नहीं होगी।

जिले में अब तक 295.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की भू-अभिलेख विभाग के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक जिले में औसतन 295.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी है। बीते 24 घंटे में हालांकि केवल 0.4 मी.मी. वर्षा दर्ज की है, वहीं तहसीलवार वर्षा वितरण की बात करें तो भरतपुर तहसील में सबसे अधिक 364.2 मि.मी. बारिश हुई है, जो जिले में सबसे ऊपर है। इसके अलावा चिरमिरी में 335.7 मि.मी., कोटाडोल में 320.1 मि.मी., खड़गवां में 295.6 मि.मी., मनेंद्रगढ़ में 246.1 मि.मी. और केल्हारी में 213.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

लिपिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के तृतीय श्रेणी लिपिकों को सहायक ग्रेड-02 में पदोन्नति तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-03 में पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान दिए जाने की प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की स्थापना शाखा द्वारा कार्यवाही की जा रही है, जारी जानकारी के अनुसार जिन कर्मचारियों के नाम संलग्न सूची में नहीं हैं अथवा नाम होने के बावजूद उनका गोपनीय प्रतिवेदन या अचल सम्पत्ति विवरण कार्यालय में जमा नहीं है ऐसे कर्मचारियों से आग्रह किया गया है कि वे संबंधित दस्तावेज 14 जुलाई 2025 को सायं 4 बजे तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, ताकि पदोन्नति और वेतनमान प्रक्रिया में उनका नाम यथासमय सम्मिलित किया जा सके। जिला शिक्षा अधिकारी मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर ने सभी संबंधित कर्मचारियों से समयसीमा का पालन करने की अपील की है।

किराए पर भवन हेतु जिला स्तर पर लघु निविदा पत्र आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जिले की देशी मदिरा दुकान डोमनहिल के लिए बघनच्चा में किराये के भवन की व्यवस्था हेतु जिला स्तर पर लघु निविदा आमंत्रित की गई है। यह निविदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अधिपत्य तिथि से 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी। इच्छुक निविदाकारों से बंद लिफाफे में तकनीकी बिड और प्राइस बिड पृथक-पृथक रूप से आमंत्रित की गई हैं, जिन्हें 15 जुलाई 2025 को दोपहर 2 बजे तक जिला आबकारी अधिकारी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना है। प्राप्त निविदाओं को इसी दिन दोपहर 4 बजे निविदाकारों की उपस्थिति में समिति द्वारा खोला जाएगा। निविदा की विस्तृत शर्तें, नियम और प्रपत्र कार्यालयीन समय में, अंतिम तिथि के एक दिन पूर्व तक अवकाश के दिनों को छोड़कर, जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, एमसीबी कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके लिए 500 रुपए मात्र का बैंक ड्राफ्ट, जो प्रबंधक, छस्स्छरु मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नाम पर हो, जमा करना अनिवार्य होगा। उक्त निविदा को कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

दुकानों से संग्रहित खाली कार्टनों के विक्रय हेतु निविदा आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में संचालित 4 देशी, 5 देशी कम्पोजिट, 6 विदेशी मदिरा दुकानें तथा 3 विदेशी कम्पोजिट मदिरा दुकानों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संग्रहित खाली कार्टनों (पुट्ठा) का विक्रय किए जाने हेतु इच्छुक निविदाकारों से बंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह विक्रय प्रति नग दर के आधार पर किया जाएगा, जिसके लिए तकनीकी बिड और प्राइस बिड पृथक-पृथक रूप से आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक निविदाकारों को अपनी निविदा 15 जुलाई 2025 को दोपहर 2 बजे तक कार्यालय जिला प्रबंधक, सीएसएमसीएल, जिला एमसीबी में जमा करनी होगी। प्राप्त निविदाएं समिति द्वारा निविदाकारों की उपस्थिति में उसी दिन शाम 4 बजे खोली जाएंगी। निविदा से संबंधित सभी नियम, शर्तें, निविदा प्रपत्र एवं संबंधित मदिरा दुकानों की अवस्थिति की विस्तृत जानकारी जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, एमसीबी कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए मात्रा 500 रुपए का बैंक ड्राफ्ट, जो जिला प्रबंधक सीएसएमसीएल, एमसीबी के पक्ष में देय होगा, निविदा दस्तावेज प्राप्त करने हेतु अनिवार्य है। यह निविदा प्रक्रिया कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित की गई है।

पेयजल परियोजना के लिए 185 करोड़ रुपये की मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से चिरमिरी क्षेत्र को वर्षों पुरानी पेयजल समस्या से निजात मिलने जा रही है। अमृत मिशन 2.0 योजना के अंतर्गत राज्य शासन ने चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में पेयजल परियोजना के लिए 185 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह परियोजना लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे सैकड़ों परिवारों के लिए राहत लेकर आएगी। पानी की अनियमित आपूर्ति और गंदे पानी की समस्या से परेशान क्षेत्रवासियों को अब नियमित और स्वच्छ जल मिल सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री और शहरी प्रशासन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना चिरमिरी क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जल्द ही चिरमिरी की धरती पर बहता साफ़ और शुद्ध जल न केवल स्वास्थ्य लाभ देगा बल्कि नागरिकों का जीवन स्तर भी ऊँचा उठाएगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का आभार व्यक्त किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, संपादक-संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803,mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा